सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 12 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 26 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर निगम जारी करेगा बॉन्ड 100 करोड़ की म्यूनिसिपल बॉन्ड योजना को शासन की मंजूरी

रायपुर। रायपुर नगर निगम अब शेयर मार्केट की तरह कमाई का जरिया बनेगा। शासन ने 100 करोड़ रुपए की म्यूनिसिपल बॉन्ड योजना को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। इसके तहत आम नागरिकों को निगम की परियोजनाओं में निवेश करने का अवसर मिलेगा।

खास बात यह है कि इस योजना में 10 रुपए से लेकर लाखों रुपए तक निवेश किया जा सकेगा। यानी छोटे निवेशक से लेकर बड़े निवेशक तक सभी को मुनाफा कमाने का मौका मिलेगा। म्यूनिसिपल बॉन्ड का मकसद शहरों के विकास कार्यों के लिए पूंजी जुटाना है, ताकि निगम अपने स्तर पर वित्तीय संसाधन बढ़ा सके और राज्य सरकार पर निर्भरता घटे। इस व्यवस्था से निगम के अधीन सड़कों, जलापूर्ति, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट और ग्रीन जोन जैसी परियोजनाओं के लिए सीधे जनता से फंड जुटाया जाएगा। नगर निगम रायपुर ने शासन को बॉन्ड जारी करने का प्रस्ताव भेजा था, जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। बताया जा रहा है कि प्रारंभिक चरण में 100 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी किए जाएंगे। इसके तहत निगम को एक निर्धारित ब्याज दर पर निवेशकों को रिटर्न देना होगा। ब्याज दरें शेयर बाजार की तर्ज पर तय की जाएंगी, ताकि लोगों को आकर्षक मुनाफा मिल सके।

रायपुर में छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ी, सीएम साय बोले-आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा

रायपुर। राज्योत्सव से पहले राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति से तोड़फोड़ हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना मौके पर पहुंची और जमकर हंगामा किया। इस दौरान क्रांति सेना और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी देखने को मिली। पुलिस ने जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी प्रमुख अमित बघेल और क्रांति सेना के सदस्यों को हिरासत में लिया है।

संगठन के सदस्यों ने इस घटना को छत्तीसगढ़ की अस्मिता पर हमला बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई है। प्रदर्शन के दौरान एक शख्स छत्तीसगढ़ महतारी के लिए रोते हुए नजर आया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। वहीं, मामले में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जिसने ने भी इस घटना को अंजाम दिया है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। वहीं कांग्रेस ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद से छत्तीसगढ़ की अस्मिता खतरे में है। हमारी संस्कृति से छेड़छाड़ करने वालों को जनता माफ नहीं करेगी।

कांकेर में 21 नक्सलियों ने डाले हथियार, 13 महिला और आठ पुरुष माओवादी शामिल

कांकेर। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन के तहत एक बार फिर सफलता मिली है। कांकेर में 21 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। 18 हथियारों के साथ माओवादियों ने समर्पण किया है। इन 21 नक्सल कैडरों में 4 डीवीसीएम (डिवीजन वाइस कमेटी मेंबर) 09 एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) और 08 पार्टी सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 13 महिला कैडर और 8 पुरुष कैडर शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में डिवीजन कमेटी सेक्रेटरी मुकेश भी शामिल है।

देश में आखिरी सांसें गिन रहा नक्सलवाद वामपंथी उग्रवाद को घुटनों पर लाई सरकार

केन्द्र सरकार ने जारी किए आंकडे, बताया कैसे टूट रही है नक्सलवाद की कमर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर पीआईबी। एक समय देश के बड़े हिस्से तक फैल चुका नक्सलवाद आज अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। सरकार ने बताया कि बीते एक दशक में नक्सली हिंसा में 53 प्रतिशत की कमी आई है और अब नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या भी 126 से घटकर सिर्फ 18 रह गई है। नक्सली हिंसा में मरने वाले आम नागरिकों की संख्या में भी 70 प्रतिशत की गिरावट आई है। सरकार के नक्सलियों पर कसते शिकंजे का ही असर है कि अक्तूबर 2025 में 1225 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और इस दौरान विभिन्न ऑपरेश में 270 नक्सली मारे गए।

नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार सुरक्षा, विकास और पुनर्वास की समन्वित रणनीति से बुनियादी बदलाव लेकर आई है। सरकार ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। सरकार ने जो आंकड़ें पेश किए हैं, उनके मुताबिक साल 2004 से 2014 के बीच देश में नक्सली हिंसा की 16,463 घटनाएं हुईं, जो 2014-2024 में ये घटकर 7,744 रह गईं। इस तरह नक्सली हिंसा में बीते दशक की तुलना में 53 फीसदी की गिरावट आई है। 2004-2014 के दशक में नक्सल ऑपरेशन में बलिदान हुए जवानों की संख्या 1851 थी, और 2014-2024 के दशक में यह आंकड़ा 509 जवान रहा। इस तरह इसमें 73 प्रतिशत की कमी आई। साल 2025 में सुरक्षाबलों ने 270 नक्सलियों को ढेर किया और 680 को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 1225 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

खास रणनीति से सरकार ने नक्सलवाद को दी मात

नक्सल हिंसा की रोकथाम के लिए सरकार ने जो सबसे जरूरी कदम उठाया, उसके तहत नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास किया गया। पिछले दस वर्षों में सरकार ने नक्सल प्रभावित इलाकों में 576 पुलिस स्टेशन बनाए। साथ ही पिछले छह वर्षों में 336 नए सिक्योरिटी कैंप बनाए गए। इसका असर ये हुआ कि नक्सल प्रभावित इलाकों से तेजी से नक्सलियों का प्रभाव कम हुआ और सुरक्षाबलों की पकड़ मजबूत हुई। सरकार ने नक्सल प्रभावित इलाकों में 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए, इससे सुरक्षाबलों की ऑपरेशन के दौरान आने-जाने में आसानी हुई और रिस्पॉन्स टाइम भी बेहतर हुआ।

सुरक्षाबलों द्वारा बड़े पैमाने पर किया गया तकनीक का इस्तेमाल

सुरक्षाबलों द्वारा बड़े पैमाने पर तकनीक का इस्तेमाल कर नक्सलियों की कमर तोड़ी। सुरक्षा एजेंसियां अब ड्रोन, सैटेलाइट इमेजिंग और एआई बेस्ड डेटा के आधार पर नक्सलियों की सटीक मॉनीटरिंग और उनका गतिविधियों का विश्लेषण करती हैं। इसमें नक्सलियों की लोकेशन, ट्रैकिंग और मोबाइल डेटा का विश्लेषण आसान हुआ। विभिन्न फोरेंसिक और तकनीकी संस्थानों की मदद से भी खुफिया सूचनाएं इकट्ठा करने और ऑपरेशन दक्षता बढ़ाने में मदद मिली।

नक्सलवाद का समर्थन करने वाले वित्तीय नेटवर्क भी खत्म

नक्सलवाद का समर्थन करने वाले वित्तीय नेटवर्क को भी खत्म किया गया। इसके तहत जांच एजेंसियों ने नक्सलियों से जुड़ी करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की। सरकार ने उग्रवाद प्रभावित राज्यों में विकास कार्यों को बढ़ावा दिया है और हिंसा प्रभावित जिलों के बजट को बढ़ाया गया है, इससे नक्सलियों को बड़ा झटका लगा। नक्सलियों के शीर्ष कमांडर्स को ढेर करने के अलावा सरकार ने पुनर्वास नीति के कारण बड़ी संख्या में लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में वापस लौटे।

मार्च 2026 तक नक्सल-मुक्त करने की राह पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में,भारत में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई सुरक्षा, विकास और सामाजिक न्याय के त्रिकोण पर आधारित एक व्यापक अभियान में दृष्टिगोचर हुई है। मजबूत बुनियादी ढांचे, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, लक्षित प्रवर्तन और ममता व करुणा केंद्रित पुनर्वास के माध्यम से, सरकार ने कभी संघर्षरत रहे क्षेत्रों को अब अवसर के केंद्रों में बदल दिया है। भारत अभी केंद्र और राज्यों के बीच सतत सक्रिय सहयोग के जरिये मार्च 2026 तक नक्सल-मुक्त बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर अग्रसर है। यह एक निर्णायक सरकार और उसकी शांति और विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के एक दशक का प्रमाण है।

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अब हुआ 'छत्रपति संभाजी नगर' स्टेशन

■ दक्षिण मध्य रेलवे ने किया एलान

मुंबई। दक्षिण मध्य रेलवे ने एक ऐतिहासिक घोषणा करते हुए 'औरंगाबाद रेलवे स्टेशन' का नाम बदलकर 'छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन' कर दिया है। रेलवे ने बताया कि यह नाम परिवर्तन औपचारिक रूप से लागू कर दिया गया है और स्टेशन के सभी साइनबोर्ड, टिकट, घोषणाएं और डिजिटल सिस्टम में नया नाम अपडेट किया जा रहा है।

आधिकारिक नोटिस में लिखा है कि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा औरंगाबाद रेलवे स्टेशन नांदेड मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्टेशन का नया स्टेशन कोड CPSN होगा।

जरूरी प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी

रेलवे के मुताबिक, यह फैसला महाराष्ट्र सरकार की अनुशंसा और गृह मंत्रालय की स्वीकृति के बाद लिया गया। स्टेशन का नया नाम छत्रपति संभाजीनगर मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता और ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से रखा गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस बदलाव के बाद यात्रियों को स्टेशन से जुड़ी सभी सूचनाएं और टिकटें नए नाम से जारी होंगी। एक अधिकारी ने कहा रेलवे ने सभी जरूरी प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। अब सभी प्लेटफॉर्म और ट्रेनों की घोषणाओं में स्टेशन का नाम 'छत्रपति संभाजीनगर' सुनाई देगा।

15 अक्तूबर को जारी हुआ था गजट नोटिफिकेशन

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने विगत 15 अक्तूबर को इसका नाम बदलने का गजट नोटिफिक्रेशन जारी किया था। तीन साल पहले तत्कालीन सरकार ने औरंगाबाद शहर का नाम छत्रपति संभाजीनगर किया था। ये फैसला छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र और मराठा राज्य के दूसरे शासक छत्रपति संभाजी के सम्मान में लिया गया। औरंगाबाद का नाम पहले मुगल सम्राट औरंगजेब के नाम पर रखा गया था। इतिहासकारों के मुताबिक औरंगाबाद रेलवे स्टेशन 1900 में हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के शासनकाल में खोला गया था। छत्रपति संभाजीनगर एक पर्यटन केंद्र है और अजंता और एलोरा की गुफाओं सहित कई ऐतिहासिक स्मारकों से घिरा हुआ है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की इकाई- यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है।

प्लास्टिक कचरे के बदले भोजन देने वाली अनोखी पहल 'गार्बेज कैफे' को देशभर में मिली पहचान

■ प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में कहा- नगर निगम अंबिकापुर के प्लास्टिक मुक्त संकल्प से बदली शहर की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मन की बात' कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और माओवाद उन्मूलन के संकल्प का उल्लेख होना प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अंबिकापुर के 'गार्बेज कैफे' और भारतीय नस्ल के श्वानों की उपलब्धि का विशेष उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय ने इसे पूरे प्रदेश के लिए सम्मान बताया। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर के शांति नगर में 'मन की बात' के 127वें संस्करण का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंबिकापुर नगर निगम की अनूठी पहल 'गार्बेज कैफे' की सराहना की, जिसने प्लास्टिक मुक्त शहर की दिशा में एक मिसाल कायम की है। यहाँ प्लास्टिक कचरा देने वालों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है — यह पहल स्वच्छता, पुनर्चक्रण और सामाजिक संवेदना का अद्भुत उदाहरण बन चुकी है। अम्बिकापुर में शहर से प्लास्टिक कचरा साफ करने के लिए एक अनोखी पहल की गई है। अम्बिकापुर में गार्बेज कैफे चलाए जा रहे हैं। ये ऐसे कैफे हैं, जहाँ प्लास्टिक कचरा लेकर जाने पर भरपेट खाना खिलाया जाता है। अगर कोई व्यक्ति एक किलो प्लास्टिक लेकर जाए उसे दोपहर या रात का खाना मिलता है और कोई आधा किलो प्लास्टिक ले जाए तो नाश्ता मिल जाता है। ये कैफे अम्बिकापुर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन चलाता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने त्योहारों की बढ़ी रौनक, सामाजिक एकता के प्रतीक छठ पर्व और नए आत्मविश्वास से आगे बढ़ते भारत की भावना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि माओवादी गतिविधियों के सिमटते प्रभाव पर गर्व का अनुभव होता है। डबल इंजन की सरकार के मजबूत संकल्प से देश में शांति और सुरक्षा की दिशा में उल्लेखनीय परिणाम मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया है।

सुरक्षा एजेंसियों में भारतीय स्वानों को शामिल किए जाने की सराहना

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों में भारतीय नस्ल के श्वानों को शामिल किए जाने के निर्णय की भी सराहना की। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित क्षेत्र में एक देशी श्वान ने 8 किलो विस्फोटक का पता लगाकर जवानों की जान बचाई। यह सिद्ध करता है कि भारतीय नस्ल के श्वान अधिक अनुकूल, दक्ष और विश्वसनीय हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर इसे उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया। उन्होंने इसे राष्ट्रप्रेम की अमर अभिव्यक्ति बताते हुए प्रत्येक नागरिक से इसके गौरवगान में स्वस्फूर्त रूप से सहभागिता करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के पुण्य स्मरण के साथ जनजातीय अधिकारों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके सर्वोच्च योगदान को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने पुंगनूर नस्ल की गायों को खिलाया चारा

'मन की बात' कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पुंगनूर नस्ल की गायों को चारा खिलाया और उनकी विशेषताओं की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश में पाई जाने वाली यह विशेष नस्ल अपनी अनूठी शारीरिक बनावट और विशिष्ट गुणों के कारण प्रसिद्ध है। कार्यक्रम में विधायक पुरन्दर मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा आदि उपस्थित रहे।

जाति आधारित जनगणना : क्वालिटी बनाम क्वांटिटी

श्रीकंचनपथ

जब भी आबादी की बात की जाती है तो इसमें दो बातें प्रमुख होती हैं। आबादी की संख्या और आबादी की गुणवत्ता। आबादी बड़ी हो पर गुणवत्ता न हो तो वह बोझ बन कर रह जाती है। पिछली जातिगत जनगणना 1931 में हुई थी। 91 साल बाद पहली बार बिहार में जातिगत जनगणना की गई है। रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद राजनीति के रणनीतिकारों का सिर चकरा गया है। इस जनगणना के अनुसार बिहार की आबादी में ब्राह्मणों, भूमिहार और कायस्थों में भागीदारी कम हो गयी है। दूसरी तरफ अत्यंत पिछड़ा वर्ग और पिछड़ा वर्ग की आबादी कुल आबादी का 63 प्रतिशत हो गया है। 2023 की जातीय जनगणना के अनुसार अत्यंत पिछड़ों की आबादी 36.1 प्रतिशत है। वहीं पिछड़ी जातियों की आबादी 27.12 प्रतिशत है। अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या बिहार में 19.65 प्रतिशत है। बताते चलें कि बिहार में जनसंख्या वृद्धि दर सबसे ज्यादा है। पूरे देश की आबादी में बिहार का योगदान 10 प्रतिशत है। रिपोर्ट कह रही है कि जातिगत रूप से पिछड़ों के लिए चलाई गई योजनाओं के बाद उनकी संख्या बढ़ती चली गई है। जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर जोर देने के कारण उच्च सवर्णों की आबादी बढ़ने के बजाय घट गई। हालांकि यह गिरावट प्रतिशत में बहुत कम है। 1931 की जातीय जनगणना में बिहार में राजपूतों की आबादी 4.12 फीसद, ब्राह्मणों की 4.17 फीसद तो कायस्थों की 1.22 प्रतिशत हुआ करती थी जो 0.66 प्रतिशत रह गए हैं। भूमिहार जाति की आबादी 2.19 प्रतिशत हुआ करती थी जो घटकर 2.87 फीसद हो गई। 2022-23 के दौरान राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए आंकड़ों में ब्राह्मण 4.17 फीसद से गिर कर 3.1565 फीसद हो गए। राजपूतों की हिस्सेदारी 4.12 से घटकर 3.15 फीसद रह गए। बेशक आबादी में इनकी भागीदारी कम हो गई हो पर संपत्ति पर इनका कब्जा न केवल बरकरार है बल्कि बढ़ा भी है। उदाहरण के लिए 3.16 प्रतिशत ब्राह्मणों के पास 16 प्रतिशत ज़मीन है। 3.14 प्रतिशत राजपूतों के पास 19 प्रतिशत, 2.18 प्रतिशत भूमिहारों के पास 39 प्रतिशत तथा 0.16 प्रतिशत कायस्थों के पास 4 प्रतिशत ज़मीन है। दूसरी तरफ 14 प्रतिशत यादवों के पास 7 प्रतिशत ज़मीन है। 5.12 प्रतिशत पासवानों के पास एक प्रतिशत तो 3.19 प्रतिशत मुसहर के पास 0.12 प्रतिशत ज़मीन है। अर्थात आजादी के बाद से चलाई जा रही योजनाओं के बावजूद तस्वीर कमोबेश अब भी वही है। जमींदारी प्रथा केवल कागजों पर ही खत्म हुई है। व्यवस्था जस की तस चल रही है। जैसे-जैसे सरकार ने पिछड़ों की सहायता करना शुरू की, वैसे वैसे वो निठल्ले होते चले गए। उनकी उत्पादकता घटती चली गई। यह हाल अकेले बिहार का नहीं बल्कि लगभग सभी पिछड़े राज्यों का है। अब जबकि सरकार के सामने लाभान्वितों के आंकड़े हैं तो उम्मीद की जानी चाहिए कि योजनाओं में बदलाव होगा और पिछड़ों और अति पिछड़ों के हालात बदलेंगे।

संपादकीय

तेल प्रतिबंध में अवसर अमेरिका रूस में संतुलन साधने की चुनौती

सत्ता में आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप भारत पर चारों तरफसे जिस तरह से दबाव बनाते रहे हैं, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। एक ही मुद्दे पर उनकी नीति चीन-पाकिस्तान व भारत को लेकर अलग-अलग होती है। उनके हालिया कदमों से भारतीय विदेश नीति असहजता के दौर से गुजर रही है। ट्रंप की भारत को मुश्किल में डालने की तमाम घोषणाएं, अब चाहे मनमाना टैरिफ थोपना हो या भारतीय प्रतिभाओं व नागरिकों पर तरह-तरह की बंदिशे लगाना हो, भारतीय जनमानस में नाराजगी का सबब बनती रही हैं। जानकार मानते हैं कि ट्रंप ये दबाव अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ व्यापार समझौते पर भारत को झुकाने के लिये बना रहे हैं। पाकिस्तान के साथ दरियादिली को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। अब इसी कड़ी में रूस से आने वाला सस्ता तेल बंद करवाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बनी है। भारत कहता रहा है कि वह अपने 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरतों को अपने बजट में लाने हेतु रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है, जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन भारत की सॉफ्ट विदेश नीति पर दबाव बनाने हेतु ट्रंप प्रशासन कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी कड़ी में रूसी तेल के दो सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं रोसनेफ्ट और लुकोइल, पर अमेरिकी कड़े प्रतिबंध भारत को की जाने वाली रूसी तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। संभव है कि भारत के क्रूड ऑयल खरीदने के विकल्प इन प्रतिबंधों से सीमित हो सकते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह कदम अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा दूर करने वाला कारक भी साबित हो सकता है। कुछ जानकार राष्ट्रपति ट्रंप की यह घोषणा, रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये रुकी हुई वार्ताओं को लेकर बढ़ती निराशा से उपजी बता रहे हैं।

> **“ जानकार मानते हैं कि ट्रंप ये दबाव अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ व्यापार समझौते पर भारत को झुकाने के लिये बना रहे हैं। पाकिस्तान के साथ दरियादिली को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। अब इसी कड़ी में रूस से आने वाला सस्ता तेल बंद करवाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बनी है। भारत कहता रहा है कि वह अपने 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरतों को अपने बजट में लाने हेतु रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है, जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई सरोकार नहीं है।**

यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद, भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का दूसरा बड़ा खरीददार रहा है। वहीं दूसरी ओर वाशिंगटन प्रशासन का आरोप रहा है कि तेल कंपनियां क्रेमलिन की युद्ध मशीन को वित्तपोषित करने में मदद कर रही हैं। ट्रंप और उनके टीम के सदस्य कई बार भारत पर रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने के बेतुके आरोप भी लगाते रहे हैं। जिसके चलते ट्रंप प्रशासन ने रूसी कच्चे तेल का आयात करने पर प्रतिशोध के चलते भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क भी लगाया था। भारत सरकार के लिये यह श्रेय की बात है कि वह रूसी तेल खरीद रोकने के दबाव का दृढ़ता से विरोध करती रही है। भारत सरकार का कहना है कि उसकी प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। निस्संदेह, भारत को अब एक और कठिन संतुलन साधने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मौजूदा चुनौतियों के बीच यदि एक सुनियोजित पुनर्निधारण की आवश्यकता है, तो ऐसा करना चाहिए। वैसे भारी दबाव के बाद भी मोदी सरकार ने ट्रंप सरकार के बार-बार दिए गए उस बयान से खुद को अलग कर लिया है कि वह रूसी तेल आयात में भारी कमी लाएगी। लेकिन अब नये प्रतिबंधों का पालन करने के लिये भारतीय रिफाइनरियों के लिये अल्पावधि में रूसी तेल सौदों से पीछे हटना निश्चित प्रतीत होने लगा है। आने वाले समय में यह दबाव कितना रहेगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप, दोनों इस नवीनतम टकराव को किस हद तक झेलने के लिये तैयार हैं। भारतीय रिफाइनरियां आवश्यकता पड़ने पर आसानी से नये स्रोतों की ओर रुख कर सकती हैं और अमेरिकी टैरिफ में कमी करके महंगे तेल आयात की भरपाई की जा सकती है। भारत के हितों के अनुकूल निर्णय लेने की अपनी स्वायत्तता पर जोर देना, नई दिल्ली के लिये असली चुनौती है। हमने सस्ता रूसी तेल खरीदने में एक अलग राह चुनी। अब समय आ गया है कि प्रतिबंधों का लाभ उठाकर अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता किया जाए, जो दोनों देशों के लिये फायदेमंद हो।

रजत महोत्सव : 25 वर्षों की गौरवशाली कृषि यात्रा

'आत्मनिर्भर कृषि, किसानों की मेहनत और योजनाओं का सफल संगम'

पीयूष गोयल

छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षों का उत्सव रजत महोत्सव के रूप में मना रहा है। इस अवसर पर हर क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, ऊर्जा और ग्राम्य विकास के साथ-साथ कृषि क्षेत्र ने भी इन वर्षों में अद्भुत प्रगति की है। कृषि विभाग कोरबा की यह 25 वर्ष की यात्रा किसानों की मेहनत, सरकारी नीतियों की सफलता और आधुनिक तकनीकों के समन्वय की जीवंत कहानी है। वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश से अलग होकर नया राज्य बना, तब कृषि क्षेत्र पारंपरिक स्वरूप में था, लेकिन आज 2025 में यह आत्मनिर्भर और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित क्षेत्र बन चुका है।

राज्य के गठन के बाद कोरबा जिले ने कृषि उत्पादन, क्षेत्र विस्तार, बीज और उर्वरक वितरण के साथ-साथ तकनीकी नवाचार में भी निरंतर प्रगति दर्ज की है। 25 वर्षों की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ के किसान अब केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता के प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष 2000 में कोरबा जिले में खरीफ फसलों का कुल क्षेत्र 01 लाख 33 हजार 880 हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 01 लाख 37 हजार 066 हेक्टेयर हो गया है। इसी प्रकार रबी फसलों के अंतर्गत क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2000 में कुल रबी क्षेत्र 14 हजार 780 हेक्टेयर था, जो अब 40 हजार 368 हेक्टेयर तक पहुँच चुका है। यह वृद्धि केवल आँकड़ों में नहीं, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि जिले के किसान अब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक खेती की ओर अग्रसर हुए हैं।

वर्ष 2000 में खरीफ के अंतर्गत अनाज का क्षेत्रफल 02 हजार 096 हेक्टेयर था, जो अब 03 हजार 664 हेक्टेयर तक पहुँच गया है। दलहन फसलों का क्षेत्र भी 04 हजार 535 हेक्टेयर से बढ़कर 07 हजार 581 हेक्टेयर हुआ है, जबकि तिलहन फसलों का क्षेत्र 06 हजार 068 हेक्टेयर से बढ़कर 09 हजार 608 हेक्टेयर हो गया है। सब्जी एवं अन्य फसलों की बात करें तो यह विस्तार सबसे उल्लेखनीय रहा है वर्ष 2000 में 02 हजार 081 हेक्टेयर क्षेत्र में सब्जियाँ बोई जाती थीं, जो अब बढ़कर 19 हजार 515 हेक्टेयर हो गई हैं। यह आँकड़े बताते हैं कि जिले के किसान अब नकदी फसलों, सब्जी उत्पादन और विविध खेती की दिशा में सशक्त रूप से आगे बढ़े हैं।

खेती में उत्पादकता बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता को कोरबा कृषि विभाग ने प्राथमिकता दी। वर्ष 2000 में खरीफसीजन में किसानों को 2,501.25 क्विंटल बीज वितरित किए गए थे, जबकि वर्ष 2025 में यह आँकड़ा बढ़कर 39,404.34 क्विंटल हो गया है। इसी प्रकार रबी सीजन में वर्ष 2000 के 482.5 क्विंटल की तुलना में वर्ष 2025 में 01हजार 994.27 क्विंटल बीज किसानों को प्रदान किए गए हैं। कुल मिलाकर वर्ष 2000 में जहाँ 02 हजार 983.75 क्विंटल बीज वितरित किए गए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह बढ़कर 41 हजार 398.61 क्विंटल तक पहुँच गया है। यह उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है कि किसानों में गुणवत्तापूर्ण बीजों के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ी है और कृषि विभाग ने इस दिशा में सतत प्रयास किए हैं।

खेती की उत्पादकता को बढ़ाने में रासायनिक उर्वरकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। कोरबा जिले में उर्वरक वितरण में पिछले 25 वर्षों में लगभग चार गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2000 में खरीफ सीजन में 04 हजार 173 टन उर्वरक किसानों को उपलब्ध कराए गए थे, जबकि वर्ष 2025 में यह मात्रा बढ़कर 16 हजार 778.73 टन हो गई है। रबी सीजन में वर्ष 2000 के 479 टन की तुलना में अब 570.55 टन उर्वरक वितरित किए जा रहे हैं। इस प्रकार कुल उर्वरक वितरण वर्ष 2000 के 04हजार 652 टन से बढ़कर अब 17 हजार 349.28 टन हो गया है। यह आंकड़े न केवल कृषि में उर्वरक उपयोग की दक्षता को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि कोरबा जिले के किसान अब वैज्ञानिक खेती की ओर अग्रसर हैं।

पिछले दो दशकों में कोरबा जिले में कृषि का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है। पहले जहाँ कृषि केवल जीविकोपार्जन का साधन थी, वहीं अब यह एक लाभदायक व्यवसाय बन चुकी है। फसल विविधीकरण, सिंचाई के साधनों का विस्तार, जैविक खेती, और आधुनिक तकनीक के उपयोग ने जिले की कृषि को मजबूती दी है। कृषि विज्ञान केंद्र और आत्मा परियोजना के माध्यम से किसानों को निरंतर प्रशिक्षण और परामर्श प्रदान किया जा रहा है। मिट्टी परीक्षण, फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी पहलों ने किसानों को जोखिम से बचाने और उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महिला स्व-सहायता समूहों ने भी कृषि क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। इन समूहों ने जैविक खाद निर्माण, सब्जी उत्पादन और बीज प्रसंस्करण जैसे कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिली है और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता में भी वृद्धि हुई है। युवाओं को कृषि में नवाचार और उद्यमिता की दिशा में प्रेरित किया गया है। कृषि आधारित स्टार्टअप, ड्रिप सिंचाई, फसल प्रसंस्करण और विपणन के क्षेत्र में युवाओं ने नई संभावनाएँ खोली हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती के इस पावन अवसर पर कोरबा का कृषि विभाग अपनी इन उपलब्धियों पर गर्व करता है। यह यात्रा केवल विभागीय योजनाओं की नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत, तकनीकी जागरूकता और प्रशासनिक प्रतिबद्धता की साझी सफलता की कहानी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनाने की दिशा में जो ठोस कदम उठाए गए हैं, उनका प्रत्यक्ष प्रभाव कोरबा की धरती पर देखा जा सकता है। यदि संकल्प और समर्पण साथ हों, तो परिवर्तन निश्चित होता है। यह यात्रा केवल खेतों की हरियाली तक सीमित नहीं, बल्कि यह किसानों के चेहरों पर आई मुस्कान, आत्मनिर्भरता की भावना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रतीक है।

प्रकृति व आध्यात्मिक चेतना के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें

प्रो. सुखनंदन सिंह

हिमालय आज रुष्ट प्रतीत हो रहा है और अपनी विप्लवी हलचलों के माध्यम से मानवता को चेतावनी दे रहा है। इंसान ने हिमालय के साथ जो खिलवाड़ किया है, वह चिंताजनक और क्षोभ उत्पन्न करने वाला है। विकास के नाम पर इसके शिखरों, तलहटियों और गोद में अनियोजित योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जो हिमालय की प्राकृतिक विशेषताओं से मेल नहीं खातीं। इन कृत्यों में मानव की अदूरदर्शिता, लोभ, अहंकार और महत्वाकांक्षाएं प्रमुख रूप से दिखाई देती हैं, जो पकृति के प्रति न्यूनतम संवेदना की कमी को दर्शाती हैं।

वर्ष 2025 में प्रकृति ने हिमालय के हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर प्रांतों में विनाशकारी तांडव किया, जिसके भयावह परिणाम पंजाब और दिल्ली तक देखने को मिले और इसका असर प्रयागराज से बनारस तक फैला। यह घटना हिमालय की चेतावनी को सही साबित करती है और समय रहते उसकी संकेतों को समझने और आवश्यक सबक सीखने का संदेश देती है। हिमालय अब तक हमें पर्याप्त चेतावनी दे चुका है, और ऐसा लगता है कि अब वह सीधे कार्रवाई पर उतर चुका है।

ग्लोबल वार्मिंग और वैश्विक मौसम परिवर्तन जैसी घटनाओं में भले ही प्रभावित लोगों का सीधा हाथ न हो, लेकिन इनका नाम लेकर हम अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते। अपनी बेवकूफियों और अदूरदर्शिता को छुपाना या प्रकृति-विरोधी योजनाओं को विकास का रूप देना अब नहीं चल सकता। समय आत्मचिंतन, समीक्षा और ठोस सुधार का है। हमें प्रकृति और हिमालय के प्रति न्यूनतम संवेदना के साथ व्यवहार करने की आवश्यकता है। अन्यथा, भविष्य में प्रकृति के विकराल दंड से कोई भी बच नहीं सकता।

इस प्राकृतिक आपदा में जिनकी जान गई, उनकी आत्माओं के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए और उनके परिजनों के प्रति हार्दिक सांत्वना जाहिर की जाती है। सभी से यह निवेदन किया जाता है कि प्रकृति के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलें। भारतीय चिंतन में प्रकृति को मां के समान माना गया है, जो अपनी संतानों की रक्षा और पोषण करती है। हमें इस मां के प्रति कृतज्ञता और सम्मान के साथ काम करना चाहिए, ताकि उसकी कृपा हम पर बनी रहे। अगर हम प्रकृति को भोग्य वस्तु मानकर उसका अत्यधिक शोषण करते हैं, तो इसके नतीजे को भुगतने के लिए हमें तैयार रहना होगा। वर्ष 2025 में हिमालय क्षेत्र में शिव-शक्ति से जुड़े तीर्थस्थलों के आसपास प्राकृतिक आपदाएं अधिक आई हैं, जो एक स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति रुष्ट है। प्रकृति की अधिष्ठात्री मां जगदम्बा और भगवान शिव रुष्ट हैं, और महाकाल-महाकाली अपना ताण्डव नृत्य करने के लिए विवश हो गए हैं। वे सृष्टि के संतुलन को बनाए रखने के लिए आवश्यक विध्वंस करने के लिए बाध्य हैं, जो हमें प्रकृति और आध्यात्मिक चेतना के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का संदेश देता है।

वर्तमान में तीर्थ स्थलों को मानव ने पिकनिक स्पॉट और व्यापारिक केंद्र बना दिया है, जहां तीर्थयात्रियों को लूटने का कारोबार होता है, जो तीर्थ की गरिमा के अनुरूप नहीं है। बिना जीवन के सच्चे तप, सुधार और पात्रता के, मुफ्त में भगवान की कृपा की उम्मीद करना और तीर्थ स्थलों में गंदगी फैलाना, यह पूरी तरह से समझदारी के खिलाफ है। इस प्रकार का तीर्थाटन और चिन्हपूजा करना नादानी और नासमझी है, जो जीवन के मूल्यों की न्यूनतम समझ का भी अभाव दर्शाता है। भगवान की कृपा के लिए, व्यक्ति को अपने भीतर न्यूनतम पात्रता अर्जित करनी होती है, जो ईमानदारी, जिम्मेदारी और समझदारी पर आधारित होती है। गैरजिम्मेदार आचरण, बेईमानी और अहंकार से इसका कोई संबंध नहीं है।

प्राकृतिक सौंदर्य और पवित्रता से भरपूर तीर्थ स्थलों के हृदय क्षेत्र में सड़क, रोपवे और रिजोर्ट्स का निर्माण उचित नहीं है। प्रकृति की गोद में स्थित इन स्थलों का आदर्श एकांत और साधना का वातावरण रहा है, जहां तक पहुंचने के लिए थोड़ा श्रम करना तप के रूप में माना जाता था। जो लोग अशक्त हैं, उनके लिए कंडी और अन्य सेवाएं उपलब्ध होती हैं, जो स्थानीय लोगों के रोजगार का भी कारण बनती हैं। इस तरह की अव्यवस्थित विकास योजनाओं से इन स्थानों की पवित्रता और प्राकृतिक सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

लेखक देव संस्कृति वि.वि. में संचार संकाय के विभागाध्यक्ष हैं।

दवा उद्योग नहीं, जन स्वास्थ्य को मिले प्राथमिकता

दिनेश सी शर्मा

ज़हरीले औद्योगिक रसायन की मौजूदगी वाले कफ़ सिरप के सेवन से काफ़ी तादाद में हुई बच्चों की मौतें भारत की नाकाम दवा नियंत्रण एवं नियामक प्रणाणी पर फिर से ध्यान खींचती हैं। हाल के वर्षों में, स्वदेश और विदेशों में भी, भारत निर्मित दवाओं से जुड़ी ऐसी कई दुखद घटनाएं हुई हैं। हर बार, हमारी प्रतिक्रिया एक जैसी होती है—मौतों का ज़िम्मेदार विषाक्त या घटिया दवाओं को ठहराया जाता है, राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा जांच की रस्म निभाई जाती है, कुछ छिटपुट उत्पादन इकाइयों पर छापे मारे जाते हैं, नियमों का सही ढंग से पालन न करने की रिपोर्ट आती है, कुछेक इकाइयों के उत्पाद लाइसेंस निलंबित कर दिए जाते हैं, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा राज्यों को नियामक मानदंडों को 'सख्ती से' लागू करवाने का निर्देश दिया जाता है। फिर जल्द ही 'पहले जैसा क्रियाकलाप' शुरू हो जाता है। किसी पर कोई कार्रवाई नहीं होती, नियम जस-के-तस, दवा नियामक निकायों में रिक्त पदों को नहीं भरा जाता, किसी भी दोषी इकाई को स्थायी रूप से बंद नहीं किया जाता, और पिछली घटनाओं की जांच के निष्कर्षों को साझा करने की कोई ज़हमत नहीं उठाता।

कफ़ सिरप को जहरीला बनाने वाले कारक अब सर्वविदित हैं : डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉल। इन दोनों जहरीले रसायनों के विषाक्त प्रभावों में पेटदर्द, उल्टी, दस्त, पेशाब करने में असमर्थता, सिरदर्द, मानसिक स्थिति में बदलाव और गुर्दे को गंभीर आघात शामिल हैं, जिससे मौत भी हो सकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि कफ़ सिरप बनाते समय, खासकर प्रोपाइलिन ग्लाइकॉल और पॉलीइथाइलिन ग्लाइकॉल जैसे घटकों का उपयोग करने वाले सिरपों में, डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉलर रसायनों का उपयोग मिलते जुलते नामों में गफ़लत होने से हो जाता है। गाम्बिया, उज्बेकिस्तान, कैमरून, इराक और अन्य देशों में 'भारत में निर्मित' उत्पादों के सेवन से दर्जनों बच्चों की मौत के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वहां के राष्ट्रीय नियामकों और स्वास्थ्य अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनके देशों में ऐसे उत्पाद पाए जाते हैं, तो उसकी सूचना दें। एजेंसी ने राष्ट्रीय अधिकारियों को दवाओं के उपयोग से पहले उनकी उत्पादन सामग्री में डाईइथाइलिन ग्लाइकॉल की उपस्थिति की जांच करने की सलाह दी है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप से हुई मौतों के लिए भी यही डाईइथाइलिन ग्लाईकॉल ज़िम्मेदार है।

रंज होता है कि कफ़ सिरप निर्माता इतने लापरवाह हैं कि उनके उत्पाद की सामग्री में घातक विषाक्त पदार्थ का उपयोग हो जाए। नि:संदेह, वे अनिवार्य शर्त यानी 'गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज' (जीएमपी) नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। अब या तो वे जीएमपी का पालन नहीं कर रहे या सरकार ने उन्हें लंबी रस्सी दे रखी है?

जहरीली दवाओं से होने वाली हर मौत के बाद, जीएमपी लागू करने या उसे और सख्त बनाने की बात होती है। लेकिन जैसे ही अमल होने लगता है, लघु एवं मध्यम दवा निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संघ जीएमपी नियमों को लागू करने के लिए समय मांगते हैं या उनमें ढील देने की मांग करते हैं, यह बहाना बनाते हैं कि उनके पास मानदंडों को लागू करने लायक क्षमता नहीं है। सरकार भी इसलिए सहानुभूति रखती है, क्योंकि नियमों का सख्ती से पालन या अनुपालन न करने वाली इकाइयों के बंद होने पर उसके 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को धक्का लग सकता है। गाम्बिया में 68 बच्चों की मौत के बाद, भारतीय एजेंसियों ने तो उलटे विश्व स्वास्थ्य संगठन पर प्रक्रियाओं का पालन न करने का आरोप जड़ डाला और इसमें भारतीय निर्यात को बदनाम करने की साजिश देखी।

छिंदवाड़ा की घटना के बाद, भारतीय औषधि महानियंत्रक ने दवा निर्माताओं के लिए जीएमपी की संशोधित अनुसूची एम का पालन करने की आवश्यकता दोहराई है। उन्होंने कहा है कि 'कुछ कंपनियां, जिन्होंने बुनियादी ढांचा उन्नयन योजना के लिए सरकार के आवेदन किया है, उन्हें दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया है' और राज्यों से संशोधित जीएमपी मानदंडों को सख्ती से लागू करने का आग्रह किया है। इसका अर्थ है कि अब तक भी, जीएमपी की नई अनुसूची पर अमल नहीं किया जा रहा।

कई देशों में भारत निर्मित कफ़ सिरप से हुई मौतों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मचे हंगामे के बाद, नई अनुसूची जारी की गई थी। यह बड़ी कंपनियों के लिए जून, 2024 में प्रभावी होनी थी, लेकिन लघु एवं मध्यम आकार के दवा उत्पादन (जिनका कारोबार 250 करोड़ रुपये से कम है) को दिसंबर, 2025 तक का समय दिया गया, जहरीले तत्त्वों वाली उक्त दवाएं अधिकांशत: ऐसी कंपनियों द्वारा ही बनी थीं। कारोबार की यह सीमा कुछ इस तरह से तय की गई है ताकि अधिकांश निर्माता इसके दायरे में आ सकें। 'अनुसूची एम' के तहत दवा निर्माताओं को फार्मास्युटिकल गुणवत्ता प्रणाली, गुणवत्ता जोखिम प्रबंधन और कम्प्यूटरीकृत भंडारण प्रणालियों जैसी व्यवस्था अपनी इकाई में बैठाना आवश्यक है। उत्पाद की गुणवत्ता की समीक्षा अनिवार्य है, जिसमें बैच रिकॉर्ड और महत्वपूर्ण प्रक्रिया मापदंड डेटा विश्लेषण शामिल है। निर्माताओं को संभावित पुन: परीक्षण के लिए उत्पादन के दौरान उठाए सैंपल और अंतिम उत्पाद के नमूने संभाल कर रखना अनिवार्य है।

इसलिए, मानदंड तो मौजूद हैं, उन्हें और अधिक कठोर बनाने के लिए संशोधित भी किया जाता है, लेकिन उन्हें लागू करने की कोई इच्छाशक्ति नहीं है। केंद्रीय और राज्य औषधि नियंत्रण प्राधिकरण, जिनके जिम्मे मानदंड लागू करवाने का काम है, कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे हैं या जानबूझकर कर्मचारियों की कमी बना रखी है। पिछले दो दशकों में अनेकानेक विशेषज्ञ पैनल, समीक्षा समितियां और संसदीय पैनल इस ओर इंगित कर चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। तेलंगाना, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में हालात खास तौर पर खराब हैं, जहां पर दवा उत्पादन इकाइयों का बड़ा जमावड़ा है।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के समीक्षक हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

सामाजिक चेतना नैतिक मूल्यों पर हिन्दी विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि का आयोजन

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी विभाग द्वारा विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना नैतिक मूल्यों और व्यवहारिक ज्ञान का प्रसार करने के उद्देश्य से दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोरई में विस्तार गतिविधि कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य के स्वागत भाषण से हुआ इसके पश्चात महाविद्यालय के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने महाविद्यालय की सुविधाओं का विस्तार से वर्णन किया एवं विद्यार्थियों को हिंदी पठन-पाठन के लिए प्रेरित किया।

सहा. प्राध्यापक डॉ. अंबरीश त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को कविता पाठ , आलेख पाठ, कहानी पाठ तथा वर्तनी सुधार के उपाय साझा किए । उन्होंने बताया कि वर्तनी की अशुद्धियाँ न केवल लेख की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं, बल्कि भाषा की गरिमा को भी कम करती हैं। शुद्ध लेखन अभ्यास, नियमित पठन,पाठन और शब्दकोश के उपयोग से इन त्रुटियों से बचा जा सकता है। महाविद्यालय से आए छात्र-छात्राओं ने विभिन्न शैक्षणिक सांस्कृतिक एवं संवादात्मक गतिविधियां यथा - कैरियर गाइडेंस, स्वच्छता संबंधी जानकारी , प्रश्नोत्तरी चर्चा , काव्य पाठ, सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र एवं प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा छात्रों को निरंतर ऐसे प्रयासों में भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। इस विस्तार गतिविधि से विद्यालय के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सृजनात्मकता एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास हुआ। साथ ही महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अध्यापन एवं समाजसेवा का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय और विद्यालय के बीच सहयोगात्मक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

गर्ल्स कॉलेज में सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) में सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (हाईब्रिड) विषय रिसर्च मेथड्स एण्ड इनोवेटिव प्रैक्टिसेस इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ एनईपी 2020 का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के संदर्भ में 'अनुसंधान पद्धतियाँ और नवाचारपूर्ण अभ्यास' पर इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला एक महत्वपूर्ण और समयोचित पहल है। जिसका उद्देश्य संकाय सदस्य, शोधकर्ता और छात्रों को उन्नत अनुसंधान कौशल और नवाचार से सशक्त बनाना है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप हो। अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की संयोजिका प्रो. रेशमा लाकेश के अनुसार भारतीय शिक्षा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक है, जो समग्र, बहुविधि शिक्षा, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है।

पंडवानी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को दुनिया भर में पहचान मिली है : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस के अवसर पर दुर्ग जिले के ग्राम मेड़ेसरा में आयोजित पंडवानी महासम्मेलन के समापन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग रायपुर के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं विधायक अहिवारा डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, पिछड़ा एवं अन्य वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विधायक श्री ललित चंद्राकर, विधायक साजा ईश्वर साहू, राज्य तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व मंत्री मशीला साहू एवं जागेश्वर साहू, पूर्व विधायक लाभ चंद बाफना एवं डॉ. दयाराम साहू, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार भी सम्मलित हुए।

पंडवानी महासम्मेलन के समापन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पंडवानी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को दुनिया भर में पहचान मिली है। दुनिया के हर कोने में हमारे पंडवानी कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया है। न्यूयार्क से लेकर पेरिस और लंदन तक महाभारत की कथाओं पर आधारित हमारे पंडवानी गायन को लोगों ने सुना और सराहा है। पद्मश्री डा. उषा बारले जी हमारे बीच मौजूद हैं। उन्होंने अपने पंडवानी गायन के माध्यम से आप सभी का मनोरंजन किया होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे पंडवानी के पुरोधा स्वर्गीय झाड़ूराम देवांगन जी की स्मृति भी हो रही है। हाथ में तंबूरा लेकर जब वे अपनी रोचक प्रस्तुति देते थे तो दर्शक गण मंत्र मुग्ध हो जाते थे। पंडवानी गायन में हमारी महिला कलाकारों को भी विशेष सफलता मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुझे विशेष रूप से स्वर्गीय लक्ष्मी बंजारे जी का स्मरण हो रहा है। पद्म पुरस्कार देश की विभूतियों को प्राप्त होते हैं। यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि हमारी धरती पर तीजन बाई जैसी कलाकार हुई हैं जिन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण तीनों ही सम्मान प्राप्त हुए हैं। जब तंबूरा लेकर वे आलाप भरती हैं तो आकाश के देवी-देवता भी उन्हें जरूर सुनते होंगे। उन्होंने बताया कि अनेक अवसरों पर तीजन बाई जी की पंडवानी मैंने सुनी है।

भारत एक खोज में तीजन बाई के पंडवानी गायन के दृश्य

श्याम बेनेगल की भारत एक खोज में तीजन बाई के पंडवानी गायन के दृश्य अपार आनंद और उत्सुकता से भर देते हैं। पंडवानी हमारी धरोहर है। आज पंडवानी महासम्मेलन के कार्यक्रम का आयोजन कर आप लोगों ने इस धरोहर को सहेजने और आने वाली पीढ़ी तक इसे बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा कार्य किया है। हम लोगों ने बचपन से रामलीला मंडलियों के माध्यम से रामायण की कहानियां सुनी और पंडवानी के माध्यम से महाभारत की कहानियां सुनी। पीढ़ी दर पीढ़ी रामायण और महाभारत की कहानियां इन्हीं लोककलाकारों के माध्यम से आम जनता तक पहुंचती रही है।

पंडवानी गायन में महिला और पुरुष का भेद नहीं

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंडवानी गायन इस मायने में भी खास है कि इसमें महिला और पुरुष का भेद नहीं है अपितु तीजन बाई, डा. उषा बारले जैसे कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से ऐसा महसूस कराया है कि पंडवानी गायन महिलाओं का ही क्षेत्र है। यह इन कलाकारों की कला की सफलता है। पंडवानी गायन के माध्यम से छत्तीसगढ़ समाज की तासीर भी पता चलती है। यहां मातृशक्ति की भागीदारी कला के क्षेत्र में भी बढ़चढ़कर है। उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरगुजा से लेकर बस्तर तक हर जगह की अपनी विशिष्ट संस्कृति है। हमारी सरकार छत्तीसगढ़ी लोककला-संस्कृति को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हमने कलाकारों की पेंशन राशि में वृद्धि की है साथ ही कलाकारों को दिये जाने वाले अवसरों की संख्या भी बढ़ाई है।

चित्रोत्पला फिल्म सिटी की स्थापना से सनेमा होगी मजबूत

चित्रोत्पला फिल्म सिटी की स्थापना का निर्णय लेकर हमने छत्तीसगढ़ी सिनेमा को मजबूत करने का जतन किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जब अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया तो इसके पीछे इस राज्य के तेजी से विकास की मंशा के साथ ही इसकी संस्कृति को सहेजने की मंशा भी थी। आज जब यह सुंदर आयोजन देखने में आ रहा है तो मन में सुकून के भाव आते हैं कि अटल जी की मंशा पूरी हुई। उन्होंने अवगत कराया कि 1 नवंबर को प्रदेश की रजत जयंती मनाई जाएगी। यह राज्योत्सव हमारी लोकसंस्कृति का उत्सव होगा। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आगमन भी होगा। मुख्यमंत्री ने सभी से अनुरोध करते हुए कहा कि रजत जयंती समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कर हमारा मान बढ़ाएं।

18 लाख स्वीकृत आवासों का निर्माण किया जा रहा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख स्वीकृत आवासों का निर्माण किया जा रहा है। किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीद की जा रही है, और उन्हें प्रति क्विंटल 3100 रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। महिलाओं को 'महतारी वंदन योजना' के तहत प्रतिमाह 1000 की आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है। 'रामलला दर्शन योजना' के तहत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या यात्रा कर चुके हैं। 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' को पुन: शुरू कर दिया गया है। योजना के तहत 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा और गंगा स्नान का अवसर नि:शुल्क दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है। धरती उर्वरा शक्ति से भरपुर है। यह हमारे लिए सौभाग्य का विषय है। नई उद्योग नीति लागू की है। उद्योग नीति में आकर्षित होकर पिछले छह-आठ महिनों में 7 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिसमें 10 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिला है। हमने राज्य के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी के द्वारा भी खोल दिए हैं। डेढ़ साल में लगभग 10 हजार सरकारी नौकरी युवाओं को दिए हैं।

शिक्षकों के 5000 पदों पर होगी शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू

5000 पदों हेतु शिक्षा विभाग शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करेगा। इन पदों की पूर्ति से ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में शिक्षकों की कमी काफी हद तक दूर होगी, जिससे शिक्षण की निरंतरता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्रीय विधायक श्री कोर्सेवाड़ा की मांगों का जिक्र करते हुए नागरिक कल्याण महाविद्यालय नंदिनी में स्नातकोत्तर कक्षाएं खोलने, अछोटी में बीएड महाविद्यालय, मेड़ेसरा को आदर्श गांव बनाने के साथ ही समुदायिक भवन हेतु 20 लाख रूपए और क्षेत्र के सभी पंचायतों में सीसी रोड निर्माण की घोषणा की। साथ ही कलाकारों को भरोसा दिलाया कि उनके सभी मांगों पर सरकार विचार कर आवश्यक पहल करेगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में अंतराष्ट्रीय कलाकार दिवस के अवसर पर सभी पंडवानी कलाकारों का अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कला और संस्कृति के लिए देश दुनिया मे पहचाना जाता है।

विधायक डोमन लाल ने विधानसभा को मिली राशि का किया जिक्र

क्षेत्रीय विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने जिस भरोसा के साथ मुझे अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा है उसमें खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। उन्होंने विधान सभा क्षेत्र अहिवारा के विकास हेतु राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गई राशियों का जिक्र किया। साथ ही क्षेत्र के और विकास हेतु मांग पत्र मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री साय को सौपा। कार्यक्रम के संयोजक पद्मश्री डॉ. ऊषा बारले ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस और पंडवानी महासम्मेलन आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थिति हेतु मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री साय सहित सभी अतिथियों का आभार माना। इस अवसर पर संभाग आयुक्त एसएन राठौर, आईजी आरजी गर्ग, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी व कलाकार उपस्थित रहे।

दुर्ग में झुलसे अभिषेक के बेहतर उपचार के लिए विधायक रिकेश सेन की पहल, सेक्टर-9 बर्न युनिट में शिफ्ट

भिलाई। दीपावली में पटाखे जलाते समय झुलसे अभिषेक यादव (9 वर्ष) के बेहतर उपचार के लिए विधायक रिकेश सेन ने पहल की है। उनकी पहल से बालक को सेक्टर-9 हास्पीटल की बर्न युनिट में एडमिट कराया गया है। श्री सेन ने बच्चे के उपचार के लिए हर संभव सहायता का जिम्मा स्वयं पर लिया है।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन इन दिनों बिहार चुनाव में? भाजपा के प्रवासी प्रभारी के रूप में गरखा और अमरोहा विधानसभा में एनडीए प्रत्याशियों के लिए विजय की रणनीति में मशगूल हैं। इस बीच दुर्ग दीपक नगर निवासी अभिषेक के झुलसने की जानकारी मिलते ही उन्होंने

तत्काल पहल कर उसे सेक्टर-9 हास्पीटल में एडमिट करवाया है। अभिषेक की माता उषा यादव दूसरों के घर में झाड़ू-पोछा तथा पिता कचरा बीन कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। अभिषेक के साथ ऐसा हादसा होने से पूरा परिवार व्यथित है क्योंकि उनके पास अच्छे उपचार के रूपये नहीं हैं। उन्होंने इलाज के लिए मदद की गुहार लगाई तो वैशाली नगर विधायक ने बिहार में रहते हुए मामले को संज्ञान में लिया और वरिष्ठ चिकित्सकों से बात कर अभिषेक को सेक्टर-9 बर्न युनिट में रेफर करवाया है। सेन ने बच्चे के उपचार का पूरा खर्च स्वयं करने का आश्वासन परिजनों को दिया है। इस हादसे में अभिषेक का चेहरा और दोनों जल हाथ बुरी तरह झुलस गया है। जिला अस्पताल दुर्ग में भर्ती अभिषेक को आज पंडित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेक्टर-9 भिलाई की बर्न युनिट लाया गया है। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम अभिषेक का उपचार कर रही है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत बीएसपी स्कूल के बच्चों के लिए एथिक्स क्लब कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता एवं शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल से बीएसपी स्कूल के बच्चों में नैतिक मूल्यों को विकसित करने के कार्यक्रम के तहत, सुनीति उद्यान सेक्टर-8 में एथिक्स क्लब (नैतिकता क्लब) निर्माण किया गया है। दिनांक 25 अक्टूबर 2025 को सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र के मुख्य आतिथ्य में एवं कार्यपालक निदेशकों की उपस्थिति में, सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत एथिक्स क्लब में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के साथ कार्यपालक निदेशक एके चक्रवर्ती, प्रवीण निगम, राकेश कुमार, पीके सरकार, कमल भास्कर, अरुण कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ विनिता द्विवेदी सहित मुख्य महाप्रबंधक सुनील सिंघल विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने शालेय छात्रों द्वारा नैतिकता, अखंडता, देशप्रेम, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, सद्भावना आदि संदेशों पर चित्रित पोस्टरों की समीक्षा की और विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई वॉल मैगज़ीन की रचनात्मकता की सराहना की। निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र द्वारा एथिक्स क्लब ध्वज वंदन के साथ ही एथिक्स क्लब के सदस्य बच्चों (यंग चैंपियंस ऑफ एथिक्स) ने नीतिगान का गायन किया और नैतिकता की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात एथिक्स क्लब के सदस्य बच्चों द्वारा विभिन्न 12 नैतिक मूल्यों पर विचार व्यक्त करते हुए नैतिकता के 12 स्मारकों- अखंडता, देशभक्ति, सहिष्णुता, धर्मनिरपेक्षता, सादगी, ईमानदारी, प्रेम, करुणा, जिम्मेदारी, सम्मान, अहिंसा और एकता के बारे में विस्तार से बताया गया।

बीएसपी ने सौंपा पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग को खेल मैदान

■ भिलाई हमेशा समाज के सर्वांगीण विकास के लिये प्रयासरत रहा : प्रशान्त तिवारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत शिक्षा और खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग के खेल मैदान का पुनर्विकास कर उसे विद्यालय प्रशासन को सौंपा। विद्यालय परिसर में 25 अक्टूबर को आयोजित गरिमामय समारोह में मैदान का औपचारिक उद्घाटन और हस्तांतरण मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक (जनसंपर्क) प्रशान्त तिवारी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (सीएसआर) अपर्णा चंद्रा, सहायक

महाप्रबंधक (जनसंपर्क) जवाहर बाजपेयी, उप प्रबंधक (सीएसआर) कमल कान्त वर्मा सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग के प्राचार्य उमाशंकर मिश्रा, उप प्राचार्य पुष्पा बाड़ा, प्रधानाध्यापक डॉ. अजय आर्य, खेल प्रशिक्षक सुरेश कुमार, टीजीटी बिन्दु शिवराजन, कमल सोनी, मीनाक्षी चंद्राकर, अल्तमस सहित अन्य शिक्षकगण, विद्यालयीन स्टाफएवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि प्रशांत तिवारी ने विद्यालय परिसर में अनुशासन, स्वच्छता एवं शिक्षा के सकारात्मक वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय आकर उन्हें अपने छात्र जीवन की मधुर यादें स्मरण आ गईं। उन्होंने अपने संबोधन में भिलाई इस्पात संयंत्र की सीएसआर गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि संयंत्र सदैव शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के साथ ही अन्य सभी क्षेत्रों में योगदान देकर समाज के सर्वांगीण विकास लिए प्रतिबद्ध रहा है। समृद्धि तब ही सार्थक है जब उसका लाभ समाज के साथ बाँटा जाए। भिलाई इस्पात संयंत्र इसी सोच के साथ कार्य करता है कि उसकी उपलब्धियों की रोशनी शिक्षा और विकास के हर कोने तक पहुँचे। बीएसपी वनांचल और परिधीय क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप विकास और सहयोग हेतु निरंतर प्रयास करता आ रहा है।

स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए विद्यालय के प्राचार्य उमाशंकर मिश्रा ने भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रति आभार व्यक्त किया। खेल मैदान के विकास से विद्यार्थियों को उत्कृष्ट खेल अवसर प्राप्त होंगे। यह पहल विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने के साथ ही विद्यालय के सर्वांगीण विकास में सहायक होगी। उन्होंने पौधा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया।

पीएम केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग के खेल मैदान के पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्यजनों ने मैदान के पुनर्विकास कार्य की सराहना की और विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य के लिये अपनी शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक डॉ. अजय आर्य ने किया। भिलाई स्टील प्लांट की यह पहल न केवल एक खेल मैदान के विकास तक सीमित है, बल्कि यह समाज में साझी समृद्धि और संवेदनशीलता की भावना को सशक्त करने की दिशा में एक प्रेरक कदम है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

महापौर और सभापति ने दी सूर्य छठ पूजा की दी हार्दिक शुभकामनाएं

रायपुर। राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे, नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी,सभी एमआईसी सदस्यों,समस्त वार्ड पार्षदों ने समस्त नगरवासियों को सूर्य छठ पूजा पर्व के पावन अवसर पर अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए समृद्धि की प्रतीक सन्तानो की पालनहार आदिशक्ति देवी छठी मईया और सकारात्मक ऊर्जा शक्ति के प्रतीक देव भगवान सूर्यनारायण के दिव्य श्रीचरणों में समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शान्ति प्रदान करने राजधानी रायपुर शहर सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में समृद्धि और खुशहाली लाने कार्य करने सकारात्मक प्रेरणा ऊर्जा शक्ति प्रदान करने की विनम्र प्रार्थना की है। सूर्य छठ पूजा पर्व आदि शक्ति देवी छठी मईया और भगवान सूर्यनारायण की विशेष पूजा आराधना को समर्पित महान सांस्कृतिक पर्व है. इस पर्व पर छठी मईया और सूर्यदेव की विशेष पूजा आराधना कर सभी भक्तगण अपने जीवन में उत्तम स्वास्थ्य, सकारात्मक ऊर्जा शक्ति और अपनी सन्तानो को सुरक्षा, सुख, समृद्धि प्रदान करने उनके दिव्य श्रीचरणों में विनम्र प्रार्थना करते हैं. अतएव सूर्य छठ पूजा पर्व प्रत्येक नागरिक को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का एक श्रेष्ठ सुअवसर प्रदान करता है। महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, सभी एमआईसी सदस्यों, समस्त पार्षदों ने सभी नगरवासियों से स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में राजधानी रायपुर शहर को प्रथम रैंकिंग दिलवाने अधिकाधिक संख्या में स्वच्छता फीडबैक देकर अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की पुन: विनम्र अपील की है।

छसपा 31 एवं 1 नवंबर को 26वां राज्योत्सव मनाएगी धूमधाम से

रायपुर। छत्तीसगढ़ी समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनिल दुबे जीपी चंद्राकर एवं अन्य पदाधिकारियों ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि छत्तीसगढ़ी समाज पार्टी 31 अक्टूबर एवं एक नवंबर को छत्तीसगढ़ राज्य का 26वां राज्योत्सव धूमधाम से मनाएगी। कार्यक्रम के पहले चरण में साहू भवन टिकरापारा में दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया है। दूसरे सत्र में सैकड़ों लोक कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम पर आधारित कार्यक्रम दूध मोंगरा सांस्कृतिक दल एवं डॉ. पीसी लाल गंडई वाले का एवं अन्य दलों का सांस्कृतिक कार्यक्रम हजारों छत्तीसगढ़ियों की उपस्थिति में रात आठ बजे से रात्रि एक बजे तक आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में महापौर मीनल चौबे भी मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित रहेंगी। पत्रकारवार्ता में अनिल दुबे ने एक नवंबर से रायपुर में लागू हो रही पुलिस कमिश्नर प्रणाली का विरोध किया है। दूबे के अनुसार उक्त प्रणाली लागू होने से एक ही व्यक्ति के हाथ में पूरे अधिकार आ जाएंगे। जिससे प्रदेश में अराजकता की स्थिति उत्पन्न होगी। अगर पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने पर मुख्यमंत्री दृढ़ प्रतिज्ञ है तो उन्हें छत्तीसगढ़ियां आईपीएस अधिकारी को पहला पुलिस कमिश्नर बनाना चाहिए।

आवारा पशुओं के उचित प्रबंधन के लिए बैठक संपन्न

कोंडागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार एस डी एम अजय उरांव ने राजस्व, पुलिस, नगरीय प्रशासन एवं पशुधन विभाग के अधिकारियों के साथ गौरक्षकों के साथ संयुक्त बैठक ली। बैठक में आवारा पशुओं के उचित प्रबंधन, गौ तस्करी की रोकथाम एवं उचित कार्यवाही एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटना ग्रस्त पशुओं के त्वरित उपचार के सम्बन्ध बिंदुवार चर्चा की गई ढ्ढ आवारा पशुओं के उचित प्रबंधन हेतु नगर पालिका के माध्यम से 01सप्ताह सभी वार्डों मे मुनादी कर पशुपालको को अपने पशुओ को घर पर ही बांध कर रखने की समझाइश दी जाएगी ढ्ढ अगले सप्ताह से घूमन्तु पशुओं पकड़ने के लिये संयुक्त टीम द्वारा विशेष अभियान चलाया जाएगा एवं पकड़े गए पशुओ को नगर पालिका के कांजी हाउस मे रखा जाएगा। मालिक की पहचान होने पर नियमानुसार जुर्माना वसूल किया जाएगा, जिन पशुओं के मालिक नहीं होंगे उसे विधिवत नीलाम किया जावेगा या पालने हेतु इच्छुक पशुपालक को दान किया जाएगा। साथ ही गौ तस्करी के रोकथाम एवं उचित कार्यवाही पर चर्चा करते हुये पशु तस्करी के रुट के चिन्हाकन एवं सूचना मिलने पर त्वरित कार्यवाही हेतु योजना तैयार की गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से पर्यटन के अंतर्राष्ट्रीय पटल पर उभर रहा है जशपुर

जर्मन मेहमानों को जशपुर की जनजातीय संस्कृति ने किया मंत्रमुग्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रेरणा और राज्य सरकार की पर्यटन संवर्धन नीतियों के अंतर्गत जशपुर अब विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपनी जगह बना रहा है। इसकी झलक हाल ही में तब देखने को मिली जब जर्मनी से आए पर्यटक बर्नहार्ड और श्रीमती फ्रांजिस्का जशपुर की जनजातीय संस्कृति, कला और आत्मीयता से गहराई से प्रभावित हुए।

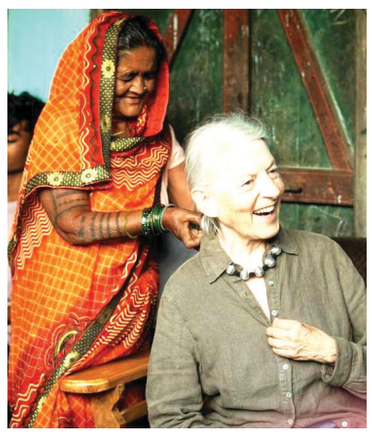

दोनों पर्यटकों ने क्षेत्रीय स्टार्टअप ट्रिप्पी हिल्स के अनुभवात्मक पर्यटन कार्यक्रम के तहत जनजातीय जीवन की बारीकियों को समझा। यात्रा की शुरुआत मलार समुदाय से हुई, जो अपने उत्कृष्ट हस्तनिर्मित आभूषणों और शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध है। इन कारीगरों की रचनात्मकता ने विदेशी मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के गांव में उन्होंने पारंपरिक जीवनशैली और प्रकृति के साथ गहरे संबंध को महसूस किया। वहीं अगरिया समुदाय के दौरे में लौह गलाने की पारंपरिक तकनीक का जीवंत प्रदर्शन हुआ, जिसने दोनों अतिथियों को आश्चर्यचकित कर दिया। यात्रा का समापन स्थानीय हाट-बाजार में हुआ, जहाँ रंगीन वस्त्र, मिट्टी की खुशबू और पारंपरिक जनजातीय संगीत ने जशपुर की जीवंत सांस्कृतिक धड़कन को अभिव्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि जशपुर की जनजातीय संस्कृति केवल धरोहर नहीं, बल्कि पर्यटन विकास का सशक्त माध्यम भी है। उनके नेतृत्व में जशपुर में सड़क, संचार और सुविधाओं के प्रसार से नए पर्यटन मार्ग तैयार हो रहे हैं। कल्चर देवी और अनएक्सप्लॉरड बस्तर जैसे संगठनों के सहयोग से स्थानीय समुदायों को भी अपने हुनर को दुनिया के सामने लाने का अवसर मिला है। यह अनूठा सांस्कृतिक अनुभव इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति अब वैश्विक आकर्षण का केंद्र बन रही है, जहाँ परंपरा, प्रकृति और आधुनिकता का सुंदर संगम नजर आता है।

छठ महापर्व की शुरुआत : नहाए-खाए के साथ गूंजे घाट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकआस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा आज 'नहाए-खाए' के साथ शुरू हो गया। सूर्य उपासना का यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, पर्यावरण और ऊर्जा का अद्भुत संगम है. इस पर्व का प्रसार अब देश की सीमाओं को पार कर विदेशों तक पहुंच चुका है. नहाए-खाए के दिन व्रतियों ने स्नान कर पवित्रता का संकल्प लिया. परंपरा के अनुसार, इस दिन व्रती जौ-चावल और कद्दू की सब्जी का प्रसाद बनाकर ग्रहण करते हैं. मान्यता है कि यह प्रक्रिया शरीर और मन को शुद्ध कर चार दिवसीय कठिन व्रत की नींव रखती है।

छठ पर्व भारतीय संस्कृति की प्रकृति के प्रति गहरी संवेदनशीलता को दर्शाता है. इसमें जीवन और ऊर्जा के स्रोत सूर्य देव की उपासना के साथ ही प्रकृति के हर तत्व को नमन किया जाता है. व्रतियों द्वारा नदी और तालाबों के किनारे व्रत रखने की परंपरा जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बनाए रखती है. पूजा में बांस की टोकरी, मिट्टी के दीये और प्राकृतिक अन्न का प्रयोग पर्यावरण-संरक्षण का सशक्त संदेश देता है. पर्व के दूसरे दिन 'खरना' में व्रती निर्जल उपवास कर गुड़-चावल की खीर का प्रसाद बनाते हैं. सबसे महत्वपूर्ण तीसरे दिन होता है, जब अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है. चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह महापर्व संपन्न होता है. इन दो रातों में घाटों पर भक्ति संगीत, लोकगीत और असंख्य दीपों की ऊर्जा से वातावरण अलौकिक हो उठता है।

एनडीए गठबंधन की नीतियों पर बिहार की जनता एक फिर अपने विश्वास का मुहर लगाने प्रतिबद्ध है - भावना बोहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। पंडरिया विधानसभा विधायक भावना बोहरा को भारतीय जनता पार्टी द्वारा बिहार के सारण जिला अंतर्गत सोनपुर विधानसभा प्रभारी के रूप में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है जिसे निभाते हुए भावना बोहरा लगातार सोनपुर विधानसभा के सभी मंडलों, बूथ प्रभारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रणनीतियों पर चर्चा कर रहीं हैं।

वहीं विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण कर सोनपुर विधानसभा से भाजपा के एनडीए प्रत्याशी विनय कुमार सिंह व एनडीए गठबंधन के लिए समर्थन जुटा रहीं हैं। संगठन की बैठकों में शामिल होना, मंडल अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं के साथ सक्रियता के साथ बैठकें कर स्थानीय मुद्दों और प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी के विकासशील नेतृत्व और एनडीए गठबंधन द्वारा बिहार के विकास, रोजगार के प्रयास, महिलाओं के सशक्तिकरण, किसानों को आर्थिक संबल, जनकल्याण की योजनाओं एवं अधोसंरचना निर्माण की जानकारी जनता तक पहंचाने हेतु निरंतर जनसंपर्क कर रहीं हैं।

इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि बिहार की जनता विधानसभा चुनाव को लेकर काफी उत्साहित है वहीं कार्यकर्ताओं में भी अपार उर्जा और समर्पण भावना स्पष्ट रूप से दिख रही है। फिर एक बार, एनडीए सरकार का नारा और संकल्प के साथ जनसंपर्क के दौरान जनता का अपार समर्थन हमें प्राप्त हो रहा है। बिहार में एनडीए की सरकार आने के बाद से जंगलराज खत्म हुआ है और सुशासन स्थापित हुआ है। बिहार में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं, जिसने जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। नालंदा की ज्ञान-गंगा से लेकर चंपारण की सत्याग्रह-धारा तक बिहार राज्य ने भारत को एक गौरवशाली इतिहास दिया है। आज यहां सड़कों का विस्तार, घर-घर में बिजली, पानी पहुंचाने का काम एनडीए सरकार ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा बिहार के लिए विशेष पैकेज मिलने से युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहें हैं, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है, रेल सुविधाओं का विस्तार हुआ है, इंफ्रास्ट्रक्चर में क्रांति आई है, उर्जा और सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हुआ है, हवाई कनेक्टिविटी सुदृढ़ हुई है।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि बिहार की जनता इन सभी परिवर्तन से भली भांति परिचित है, उन्होंने प्रधानमंत्री जी और एनडीए सरकार की घोषणाओं और योजनाओं को जमीनी हकीकत में पूरा होते देखा है। इन्हीं परिवर्तनकारी नीतियों से एक बार पुन: एनडीए गठबन्धन बिहार में ऐतिहासिक जीत जरुर दर्ज करेगी। बिहार की जनता विकास के साथ है और जनसंपर्क के दौरान जनता से संवाद में एनडीए गठबंधन के प्रति माहौल स्पष्ट दिख रहा है। जहाँ-जहाँ जनता से मुलाकात हुई उनसे चर्चा के दौरान बिहार में हुए अभूतपूर्व बदलाव खुद जनता अपनी जुबानी बता रही है, किसानों के सम्मान के लिए, युवाओं के रोजगार और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए, एक नए और विकसित बिहार के लिए, फिर एक बार एनडीए की सरकार बनाने के लिए जनता संकल्प कर चुकी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के घर का सपना हुआ साकार

महतारी वंदन और आवास योजना बनीं ग्रामीण महिला की ताकत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब एवं वंचित आवास विहीन परिवारों को आवास के साथ साथ आधारभूत संरचना की सुविधा उपलब्ध कराना, जिससे उनके जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार हो सके। सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों के साथ भागीदारी में किफायती आवास की सुविधा उपलब्ध कराना। ऋण से जुड़ी व्याज सब्सिडी के माध्यम से कमजोर वर्गों के लिए किफायती आवास की सुविधा उपलब्ध कराना।

श्रीमती महंती बेक का वर्षों पुराना सपना अब साकार होने की राह पर है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उनके पति सुनील के नाम से पक्के मकान की स्वीकृति मिली है, जिसका निर्माण कार्य इन दिनों तेजी से प्रगतिरत है।

जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले सन्ना गांव की रहने वाली श्रीमती महंती बेक को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उनके पति श्री सुनील के नाम से पक्के मकान की स्वीकृति मिली है, जिसका निर्माण कार्य इन दिनों तेजी से प्रगतिरत है। मिट्टी और टिन की झोपड़ी में जीवन बिताने वाली महंती बेक अब अपने नए पक्के घर की दीवारें खड़ी होते देख खुश हैं। श्रीमती महंती बेक के वर्षों पुरानी सपना अब साकार होने की राह पर है।

महंती बेक बताती हैं कि हमारा जीवन कठिनाईयों से भरा रहा। मैं और मेरे पति रोज़ मजदूरी करके किसी तरह घर का खर्च चलाते हैं। दो छोटे बच्चों की परवरिश के साथ पक्का घर बनाना हमारे लिए एक सपना ही था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने यह सपना पूरा कर दिया। वे बताती हैं कि इस योजना के तहत उन्हें आर्थिक सहायता मिली, जिससे घर का निर्माण कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ा। सरकार की योजनाओं ने उनके जीवन में स्थायित्व और सम्मान की भावना दी है।

महंती बेक आगे कहती हैं कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से मुझे एक हजार रूपए प्रतिमाह की सहायता राशि मिलती है, जिससे बच्चों की जरूरतें पूरी करने में बड़ी मदद मिलती है। उज्ज्वला योजना से गैस सिलेंडर मिलने के बाद अब खाना पकाने में आसानी होती है। महंती बेक कहती हैं - पहले बरसात में छत टपकती थी, सर्दी में हवा अंदर आती थी, गर्मी में मिट्टी की दीवारें झुलसाती थीं। अब जल्द ही हम अपने नए पक्के घर में रहेंगे। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने हम गरीबों के लिए घर का सपना साकार किया।

एनआईटी रायपुर में 27 से 31 अक्टूबर तक मनाया जाएगा सतर्कता जागरूकता सप्ताह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। यह आयोजन केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार के निर्देशानुसार किया जा रहा है। इस वर्ष का विषय सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी निर्धारित किया गया है, जो ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने तथा संस्थान के प्रत्येक सदस्य में सामूहिक सतर्कता की भावना को प्रोत्साहित करने का संदेश देता है। यह सप्ताह भर चलने वाला कार्यक्रम संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. प्रभात दीवान के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरुआत 27 अक्टूबर को सतर्कता शपथ के साथ होगी, जिसमें एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार उन्मूलन तथा पारदर्शिता के संकल्प की शपथ दिलाएंगे। इसके उपरांत 28 अक्टूबर को पारदर्शी शासन के महत्व पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया जाएगा, जिसमें हिमांशु जैन, मुख्य सतर्कता अधिकारी, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, बिलासपुर मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार साझा करेंगे।

उसी दिन फैकल्टी सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जबकि 29 अक्टूबर को विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता होगी, जिससे उन्हें सतर्कता और उत्तरदायित्व पर अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद 30 अक्टूबर को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सतर्कता से जुड़े सामाजिक मुद्दों को रचनात्मक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। सप्ताह का समापन 31 अक्टूबर को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

छठी मैया के भक्तों के लिए बिछाई रेड कार्पेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। माई दंतेश्वरी की नगरी जगदलपुर के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब छठी मैया के भक्तों के लिए रेड कार्पेट बिछाई गई है। दरअसल छठी मैया के प्रति आस्था के सम्मान में जगदलपुर के सनातनी महापौर संजय पांडेय और गंगा नगर वार्ड के युवा पार्षद, एमआईसी सदस्य एवं छठी मैया के भक्त लक्ष्मण झा ने यह शानदार पहल की है। महापौर संजय पाण्डेय और गंगा नगर वार्ड के पार्षद लक्ष्मण झा द्वारा जगदलपुर नगर के गंगा मुंडा तालाब के छठ घाट की सीढ़ियों पर इस साल लाल कालीन बिछवाई गई है।पार्षद लक्ष्मण झा के अनुसार छठ व्रतधारियों की सुरक्षा का खास ख्याल रखा गया है ताकि किसी को कोई परेशानी नहीं हो। व्रतधारी अपने घरों से नंगे पैर छठ घाटों तक पहुंचते हैं। इस दौरान उनके पैरों में कंकड़ पत्थर, कांटे आदि चूभते हैं। तालाब पहुंचकर वे सुरक्षित तरीके छठी मैया और सूर्य देव की आराधना कर सकें इसलिए महापौर संजय पाण्डेय और वार्ड पार्षद लक्ष्मण झा ने पूरे तालाब के चारों ओर प्रमुख घाट स्थल पर कालीन बिछा दी है।

जिससे नंगे पैर चलकर छठ पूजा करने वालों को कोई परेशानी नहीं हो। लाल कालीन बिछाए जाने से घाटों की सुंदरता में चार चांद लग गए हैं। जो भी व्यक्ति इस शानदार व्यवस्था को देखता है, वह महापौर पाण्डेय और पार्षद झा की तारीफ जरूर करता है।

लोग कह उठते हैं कि आस्था और श्रद्धा भक्ति का ऐसा सम्मान पहली बार देखने को मिल रहा है। वहीं घाटों के आसपास मौजूद कुछ जलीय पौधों को हटाने की मांग भी लोग कर रहे हैं।

‘शक्ति शालिनी’ में दिखेंगी ‘सैयारा’ फेम अनीत, मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में एंट्री पर आयुष्मान ने किया वेलकम

इन दिनों मैडॉक की हॉरर-कॉमेडी फिल्म ‘थामा’ सिनेमाघरों में मौजूद है। इस बीच मैडॉक यूनिवर्स की अगली फिल्म ‘शक्ति शालिनी’ की घोषणा हुई। इसमें ‘सैयारा’ फेम अनीत पड्डा नजर आएंगी। इस बात को लेकर आयुष्मान खुराना ने एक पोस्ट साझा की है। मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में एंट्री पर अनीत का जबरदस्त स्वागत आयुष्मान खुरान ने किया है।

आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए लिखा, ‘पंजाबी आ गए ओए। जो चाहती हो, उसका पीछा करती रहो। यह बात एक सपने देखने वाला दूसरे सपने देखने वाले शख्स से कह रहा है। कुछ भी नामुमकिन नहीं है। पंजाब से कोई हम देख रहा होगा, तो बहुत गर्व कर रहा होगा।’ वह आगे लिखते हैं, ‘फिल्म ‘शक्ति शालिनी’ में तुमको चमकते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार है। आगे बढ़ती रहो और ऊपर उठती रहो अनीत।’

'बॉलीवुड हंगामा' के साथ किए गए एक हालिया इंटरव्यू में फिल्ममेकर अमर कौशिक ने बताया कि जब शक्ति शालिनी की कहानी लिखी जा रही थी, तब उन्हें अहसास हुआ कि फिल्म के किरदार के लिए एक युवा चेहरे की जरूरत है, जो मासूमियत और गहराई दोनों साथ लेकर चले। इसी दौरान उन्होंने ‘सैयारा’ फिल्म देखी, जिसमें अनीत पड्डा का अभिनय उन्हें इतना प्रभावशाली लगा कि उन्होंने तुरंत उन्हें फिल्म के लिए अप्रोच किया। अनीत ने कहानी सुनी और बिना देर किए फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी।

मैडॉक की चर्चित हॉरर-कॉमेडी फिल्में

मैडॉक ने पिछले कुछ सालों में हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का अलग यूनिवर्स तैयार कर लिया है। इसमें श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म ‘स्त्री’, वरुण धवन की ‘भेड़िया’, शरवरी और अभय वर्मा स्टारर ‘मुंज्या’ और आयुष्मान खुराना की फिल्म ‘थामा’ शामिल है।

रिलीज हुआ ‘द गर्लफ्रेंड’ का ट्रेलर उलझी हुई कहानी में रश्मिका मंदाना निभा रहीं सीधा-सादा किरदार

रश्मिका मंदाना हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ‘थामा’ की कामयाबी को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वैम्पायर की कहानी दिखाई गई है। अब वह एक अलग तरह की कहानी वाली फिल्म में नजर आने वाली हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म ‘द गर्लफ्रेंड’ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एक उलझी हुई प्रेम कहानी की झलक दिखाई गई है। इसमें रश्मिका का किरदार एक परेशान करने वाले सवाल से जूझता है।

जानिए आखिर ट्रेलर में क्या है?

रश्मिका मंदाना और दीक्षित शेट्टी की अदाकारी वाली फिल्म ‘द गर्लफ्रेंड’ के ट्रेलर में दिखाया गया है कि दीक्षित शेट्टी, रश्मिका मंदाना से प्यार करता है। वह उससे शादी करना चाहता है। हालांकि रश्मिका उससे शादी नहीं करना चाहती। कहानी आगे बढ़ती है और दोनों एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। दोनों के बीच एक लड़की आ जाती है, जिससे दीक्षित शेट्टी की नजदीकियां बढ़ती हैं। इसके बाद रश्मिका पर कई इल्जाम लगते हैं।

उलझी हुई है प्रेम कहानी

इसके बाद कहानी में रश्मिका के पिता आते हैं और उन्हें गलतफहमी होती है कि उनकी बेटी के चाल-चलन अच्छे नहीं हैं। रश्मिका काफी परेशान हो जाती हैं। ऐसे में दीक्षित शेट्टी, रश्मिका और उनके पिता को भरोसे में लेते हैं। अब फिल्म रिलीज होने पर यह पता चलेगा कि दीक्षित शेट्टी, रश्मिका के लिए सही पार्टनर है या नहीं।

जानिए फिल्म के बारे में

फिल्म ‘द गर्लफ्रेंड’ का लेखन और निर्देशन राहुल ने किया है। इसके निर्माता धीरज मोगिलिनेनी और विद्या कोप्पिनीदी हैं। फिल्म का टीजर पिछले साल रिलीज हुआ था। इसमें रश्मिका मंदाना और दीक्षित शेट्टी के अलावा राव रमेश, रोहिणी और कौशिक मेहता हैं। फिल्म 7 नवंबर को रिलीज होने वाली है। अब देखना यह है कि रश्मिका इस फिल्म से क्या कमाल करती है।

पहले ही शो में निभाए 56 किरदार, जाने भी दो यारों में लाश का रोल करके हुए मशहूर

एक गलती से जा सकती थी सतीश शाह की आंखों की रोशनी

बॉलीवुड के अभिनेता सतीश शाह का 74 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्हें फिल्म ‘जाने भी दो यारों (1983)’, ‘मैं हूं ना (2004)’, ‘कल हो ना हो (2003)’ और ‘फना (2006)’ जैसी फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभाने के लिए जाना जाता था। उनके निधन की खबर से उनके फैंस गमगीन हैं। ऐसे में वह उनके बारे में जानना चाहते हैं। आइए उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ मशहूर किस्सों के बारे में जानते हैं।

स्कूल फेस्टिव से पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट तक का सफर

एक बार सतीश के स्कूल में सालाना फेस्टिवल में नाटक किया जाना था। इसमें एक्टर की कमी थी। ऐसे में सतीश के अध्यापक ने उनका नाम दे दिया। सतीश अपने अध्यापक को इसके लिए मना नहीं कर पाए। उन्होंने नाटक के लिए डायलॉग याद कर लिया लेकिन जब वह किसी के सामने इसे बोलते तो वह भूल जाते थे। इसके बाद अध्यापक ने उन्हें बताया कि किसी को देखो मत बस एक्टिंग करो। इसके बाद सतीश ने बेहतरीन अदाकारी की। बाद में उन्होंने पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट में दाखिला लिया।

पहले ही शो में निभाए थे 56 तरह के किरदार

कई फिल्मों में काम करने के बाद सतीश शाह ने साल 1984 में धारावाहिक ‘ये जो जिंदगी है’ से टेलीविजन में डेब्यू किया था। इस शो में उन्होंने 56 तरह के किरदार निभाए थे। अपने हर किरदार से उन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। उनके यह किरदार आज भी याद किए जाते हैं। उनकी कामिक टाइमिंग के तो पूरा बॉलीवुड कायल था।

लाश की अदाकारी करके हुए मशहूर

सतीश शाह ने साल 1983 में फिल्म ‘जाने भी दो यारों’ में अभिनय किया। इसमें उनके साथ नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, पंकज कपूर और नीना गुप्ता जैसे कलाकार थे। इस फिल्म में सतीश को कुछ सीन करने थे, इसके बाद उन्हें पूरी फिल्म में लाश बने रहना था। फिल्म में उन्होंने लाश बनकर इतनी अच्छी अदाकारी की कि वह लोगों के दिलों पर छा गए। इसी फिल्म के बाद सतीश की कामयाबी के रास्ते खुले।

सूरज बड़जात्या संग केमिस्ट्री पर आयुष्मान का इमोशनल बयान, कहा- दिल छू जाने वाला रिश्ता

अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा कि पारिवारिक फिल्मों के लिए मशहूर सूरज बड़जात्या के साथ काम करना सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने अपने संबंधों को एक “शानदार जोड़ी” की तरह बताया।

आयुष्मान खुराना ‘मैंने प्यार किया’, ‘हम आपके हैं कौन’, ‘विवाह’ और ‘ऊंचाई’ जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले फिल्म निर्माता बड़जात्या की अगली फिल्म में नजर आएंगे। इसमें उनके साथ शरवरी भी मुख्य भूमिका में होंगी। उन्होंने कहा कि यह बहुत रोमांचक है। खुराना ने कहा कि अच्छी बात यह है कि यह प्रेम मेरे बहुत करीब है। इस फिल्म के माध्यम से मैं सूरज जी के और करीब आ गया हूं... यह एक ‘शानदार जोड़ी’ जैसा है। वह बहुत कम फिल्में बनाते हैं, लेकिन वह हमारे देश के सबसे सफल निर्देशकों में से एक हैं। आयुष्मान खुराना का कहना है कि उनका ट्रैक रिकॉर्ड और सफलता का रिकॉर्ड भारत में सबसे ऊंचा है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मैं सूरज बड़जात्या के साथ एक फिल्म के लिए काम कर रहा हूं। यह मेरा बचपन का सपना था। हम एक नवंबर से फिल्म पर काम शुरू करेंगे। जब भी मैं उनसे मिलता हूं, मैं उनके पैर छूता हूं क्योंकि वह इस लायक हैं।

इस फिल्म में खुराना ‘प्रेम’ के किरदार में नजर आएंगे। ‘प्रेम’ का किरदार बड़जात्या की पारिवारिक फिल्मों का पर्याय बन गया है और इसे अक्सर अभिनेता सलमान खान निभाते रहे हैं।

51 की हुई मस्त मस्त गर्ल रवीना, 17 की उम्र में मिला था पहला ब्रेक, किसिंग सीन से रहीं दूर

‘मस्त मस्त गर्ल’ के नाम से मशहूर रवीना टंडन 51 साल की हो गई हैं। वे न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। पहली ही फिल्म पत्थर के फूल से एक्ट्रेस को हिंदी सिनेमा में अलग पहचान मिल गई थी, लेकिन उन्होंने हमेशा अपने सिद्धांतों और शर्तों पर ही काम किया। रवीना ने कभी भी फिल्मों में किसिंग सीन नहीं किया। एक बार ऐसा हुआ कि एक हीरो के होंठ उनके होंठों से टच हो गए थे, तो एक्ट्रेस ने तुरंत ब्रश किया और उन्हें उल्टी तक आ गई थी।

रवीना टंडन ने 90 के दशक में अपनी स्टाइल से लोगों के बीच खास जगह बनाई। रवीना ने महज 17 साल की उम्र में ही बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी पहली फिल्म ‘पत्थर के फूल’ से ही चर्चा में आ गई। रवीना का नाम आते ही ‘टिप-टिप’ और ‘तू चीज बड़ी है मस्त मस्त’ जैसे गानों की याद ताजा हो जाती है।

रवीना का जन्म 26 अक्टूबर 1974 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता का नाम रवि टंडन और मां का नाम वीना टंडन है। दोनों का नाम मिलाकर उन्हें रवीना नाम दिया गया। बचपन से ही रवीना में अभिनय और डांस का खास टैलेंट था। उन्होंने जुहू के जमनाबाई पब्लिक स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और इसके बाद मीठीबाई कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। पढ़ाई के दौरान ही उन्हें मॉडलिंग का ऑफर मिला और सेकेंड ईयर में उन्होंने पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग और फिर फिल्मों में कदम रखा।

करियर और परिवार में संतुलन

रवीना ने अपने निजी जीवन में भी साहसी फैसले लिए। महज 21 साल की उम्र में उन्होंने अपनी कजिन की दो बेटियों को गोद लिया और उन्हें अपनी संतान की तरह पाला। बाद में 2004 में उन्होंने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी से शादी की। इस शादी से उन्हें दो बच्चे हुए, एक बेटा रणबीर वर्धन और बेटी राशा। उनकी शादीशुदा जिंदगी भी काफी खुशहाल रही। रवीना ने अपने करियर में कई अवॉर्ड्स भी जीते। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड, राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड और बॉलीवुड मूवी अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। 2023 में उन्हें कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। उनके अभिनय और डांस ने उन्हें भारतीय सिनेमा का चेहरा बना दिया।

90 और 2000 के दशक की हिट फिल्मों में रवीना का जलवा

रवीना का बॉलीवुड डेब्यू फिल्म ‘पत्थर के फूल’ से हुआ। इस फिल्म में रवीना के अभिनय और खूबसूरती को खूब सराहा गया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर का ‘न्यू फेस ऑफ द ईयर’ अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद 90 और 2000 के दशक में कई हिट फिल्में दीं। ‘मोहरा’, ‘दिलवाले’, ‘बड़े मियां छोटे मियां’, ‘घरवाली बाहरवाली’, ‘अनाड़ी नंबर 1’, ‘खिलाड़ियों का खिलाड़ी’, ‘जिद्दी’ और ‘दूल्हे राजा’ जैसी फिल्मों में उनके किरदार लोगों के दिलों में जगह बनाने में सफल रहे। रवीना अपने गानों और डांस के लिए भी जानी जाती हैं। मोहरा फिल्म के ‘टिप-टिप बरसा पानी’ में उनकी एक्टिंग और डांस ने उन्हें रातों-रात डांसिंग क्वीन बना दिया। इसी तरह ‘तू चीज बड़ी है मस्त मस्त’ जैसे गाने भी आज तक फैंस के दिलों में बसे हुए हैं।

रवीना का कमबैक भी शारनदार

रवीना ने फिल्मों में ब्रेक लिया, लेकिन कभी अपनी लोकप्रियता खोई नहीं। उन्होंने साउथ सुपरहिट फिल्म ‘केजीएफ चैप्टर 2’ और वेब सीरीज ‘आरण्यक’ से वापसी की। उनके अभिनय की तारीफ हर जगह हुई। आज भी रवीना टंडन को बेहतरीन अभिनेत्रियों में गिना जाता है।

स्वास्थ्य मंत्री के गृह ग्राम की ऐतिहासिक उपलब्धि जिले के खड़गवां सीएचसी को मिला ISO प्रमाणपत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई उपलब्धि दर्ज करते हुए सरगुजा संभाग का पहला ढ्रस्ह प्रमाणित कोल्ड चेन प्वाइंट बनने का गौरव मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां ने हासिल किया है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के गृह ग्राम खड़गवां में उनके सतत प्रयासों और दिशा-निर्देशों के परिणाम स्वरूप संभव हुई है। वहीं इस सफलता के पीछे सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे के कुशल मार्गदर्शन और स्वास्थ्य विभाग की समर्पित टीम की निरंतर मेहनत का अहम योगदान रहा।

कोल्ड चेन प्वाइंट खड़गवां को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकताओं के पूर्ण अनुपालन में पाया गया है, जिसके चलते इसे ढ्रस्ह सर्टिफिक्रेशन प्रदान किया गया है। यह प्रमाणपत्र स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रबंधन, पारदर्शिता और दक्षता का प्रतीक माना जा रहा है। इस प्रमाणन के साथ खड़गवां सीएचसी ने टीकों और रसद के सुरक्षित, वैज्ञानिक और विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुरूप भंडारण की नई मिसाल कायम की है। यहां सभी टीके CFC मुक्त और WHO प्रमाणित CCE तिथि वाले उपकरणों में अनुशंसित तापमान पर सुरक्षित रखे जाते हैं। आरआई टीकों और रसद की आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावी बनाने के लिए ईवीआईएन के माध्यम से ऑनलाइन वास्तविक समय में स्टॉक अपडेट किया जाता है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है। दिन में दो बार तापमान दर्ज कर टीकों की प्रभावकारिता सुनिश्चित की जाती है, वहीं वेब-आधारित डेटा लॉगर प्रणाली से उच्चस्तरीय सतत निगरानी भी की जाती है। टीकों की आपूर्ति में FIFO (First In First Out)) और श्वश्वस्त्रह (Earliest E&piry First Out) दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है, जिससे शून्य अपव्यय (Zero Wastage) सुनिश्चित हो रहा है। इसके अलावा, आवश्यकतानुसार VVM (Vaccine Vial Monitor) आधारित आपूर्ति प्रणाली भी लागू की गई है। टीकों के भंडारण हेतु एक अलग ICE Pack Conditioning Area, निर्बाध बिजली आपूर्ति व्यवस्था, उचित रैंकिंग सिस्टम वाला सूखा भंडारण क्षेत्र, और प्रशिक्षित व दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता से यह केंद्र सरगुजा संभाग का मॉडल स्वास्थ्य संस्थान बन गया है। कोल्ड चेन प्वाइंट में NCCMIS सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपकरणों का सटीक प्रबंधन किया जा रहा है, साथ ही टीकाकरण अपशिष्ट निपटान प्रणाली को भी वैज्ञानिक और पर्यावरण हितैषी तरीके से अपनाया गया है।

राज्यपाल डेका ने सरस्वती शिक्षा संस्थान को प्रदान किए चार ई-रिक्शे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज राजभवन में सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ रायपुर को चार ई-रिक्शे प्रदान किए। उन्होंने राजभवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अपने स्वेच्छानुदान मद से चार ई-रिक्शे की चाबी वाहन चालकों को सौंपी और हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। इन वाहनों का उपयोग विभिन्न सरस्वती शिक्षा संस्थानों में किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. पुर्णेन्दु सक्सेना सहित संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित थे।

एग्रीस्टैक पोर्टल में शेष किसानों के पंजीयन हेतु जिले के समितियों में शिविर जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराने एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए किसानों का पंजीयन का कार्य निरंतर जारी है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के सभी सहकारी समितियों में शिविर का आयोजन कर शेष सभी कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन सुनिश्चित कराया जा रहा है।

शिविर में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के ऐसे किसान जो एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत है किंतु एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन हेतु शेष रह गए है, समिति स्तरीय शिविरो में ऐसे सभी कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन किया जा रहा है। इसके साथ ही ऐसे कृषक जो एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत है किंतु उनका व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त है शिविरों में ऐसे सभी कृषकों की जानकारी एग्रीस्टेक पोर्टल में अद्यतन भी किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा के निर्देशानुसार बालोद जिले में राजस्व, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए शत प्रतिशत कृषकों का पंजीयन सुनिश्चित कराने हेतु मुस्तैदी से कार्य किया जा रहा है।

जिससे कि जिले के सभी कृषकों को वास्तविक रकबे के आधार पर वास्तविक धान की खरीदी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही जिले का कोई भी पात्र कृषक धान खरीदी योजना का समुचित लाभ लेने से वंचित न रहे। इसके अंतर्गत आज 25 अक्टूबर को जिले के सहकारी समिति बघमरा, लाटाबोड़ और पोण्डी सहित अन्य सहकारी समितियों में राजस्व एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए कृषकों का कराए जा रहे पंजीयन के कार्य का निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित किसानों को एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों के पंजीयन के महत्व एवं उद्देश्यों के संबंध में आवश्यक जानकारी भी दी गई। एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन हेतु किसान संबंधित सहकारी समितियों के अलावा ग्राहक सेवा केन्द्रों में पहुँचकर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

किसानों की खुशहाली के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित : मंत्री राजवाड़े

लाजित, रैसरा और सम्बलपुर में जलाशय जीर्णोद्धार कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिले के ग्राम लांजित, रैसरा और सम्बलपुर (सेमरा) में आयोजित जलाशय जीर्णोद्धार कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर विकास कार्यों की शुरुआत की।

लांजित में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की खुशहाली और सिंचाई संसाधनों के विस्तार के लिए सतत कार्य कर रही है। जलाशयों के जीर्णोद्धार से किसानों को स्थायी जल उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे कृषि उत्पादन को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण अंचलों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प है। किसानों की आय में वृद्धि और सिंचाई सुविधा का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है।

सन् 1986 में निर्मित लांजित जलाशय लगभग 39 वर्ष पुराना है, जो लंबे समय से क्षेत्र के किसानों को खरीफ फसलों के लिए सिंचाई सुविधा प्रदान करता रहा है। बांध की कुल लंबाई 435 मीटर तथा जल भराव क्षमता 24.95 मिलियन क्यूबिक फीट है। इस जलाशय से दो नहरें निकलती हैं — बाईं नहर 1650 मीटर एवं दाईं नहर 3390 मीटर लंबी है। जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने पर जलाशय अपनी रूपांकित सिंचाई क्षमता 240 हेक्टेयर प्राप्त करेगा, जिससे अधिक किसानों को लाभ मिलेगा।प्रदेश सरकार द्वारा इस जलाशय के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य हेतु 258.55 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, जल संसाधन विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने भैयाथान में जीवनदीप समिति की बैठक में भी सहभागिता की और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार पर चर्चा की।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने नए कॉलेज भवन का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के लखनपुर तहसील के ग्राम हंसडांड में 4 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाले शासकीय महाविद्यालय भवन का भूमि पूजन किया।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ''सरकार की प्राथमिकता है कि हमारे क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य इसी परिसर में उपलब्ध हो।

इस महाविद्यालय से बच्चों को कक्षा पहली से स्नातक तक पढ़ाई की सर्वश्रेष्ठ सुविधा एक ही स्थान पर मिलेगी। नवीन भवन से स्थानीय विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने की दिशा में भी नई राह खुलेगी। शिक्षा का विस्तार ही सामाजिक विकास और आत्मनिर्भरता की सच्ची राह है''।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों व विद्यार्थियों ने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों की पुरानी मांग पूरी होना क्षेत्र के युवाओं की आकांक्षाओं की जीत है। अब उन्हें सर्वसुविधायुक्त भवन और अच्छे वातावरण में पढ़ाई के साथ भविष्य संवारने का अवसर मिलेगा।

ग्रामीणों ने कहा कि यह महाविद्यालय हमारे बच्चों के सपनों को नई उड़ान देगा और उन्हें अपने क्षेत्र में रहकर पढ़ाई व करियर बनाने की प्रेरणा देगा। भूमि पूजन के अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन, विद्यार्थी एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम चारभाटा में पशुधन विकास विभाग द्वारा पशु मेला एवं प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चारभाटा में पशुधन विकास विभाग द्वारा पशु मेला एवं प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में पशुपालकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम में सात विभिन्न वर्गों उन्नत नस्ल मादा वत्स, दुधारू गाय, सांड, बैल, भैंस, बकरी, सुकर, मुर्गी एवं घोड़े की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। पशु मेले में नेपियर घास, मक्का, सायलेज, अजोला एवं पैरा यूरिया उपचार जैसे पशुचारा प्रदर्शन के साथ ही विभागीय योजनाओं, पशु टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य, आहार एवं बीमारियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में पशुपालन को प्रोत्साहित करना, साथ ही नवीन तकनीकी जानकारी एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराना था।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य सुमित्रा नेताम, सरपंच राजेश नेताम (टाटीरास), फरसू मंडावी (खेतरपाल), अंतूराम मंडावी (डूमरपदर) तथा दामेश्वरी रावटे (बहीगांव) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर ग्राम पंचायत चारभाटा के सरपंच देवीलाल मंडावी, ग्रामीणजन एवं पशुपालकों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।विभागीय प्रतिनिधियों में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एम. बी. सिंह, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुदरन मरकाम (माकड़ी), डॉ. पी. एल. ठाकुर , डॉ. एस. के. नाग , पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. चार्ली पोर्ते, डॉ. सीमा मंडावी, डॉ. कस्तूरी प्रधान, डॉ. सुमन उइके (फरसगांव), वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी हेमलाल पदमाकर, उद्यानिकी अधिकारी आर. के. मंडावी, डॉ. अनिल (मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट) सहित विभाग के समस्त परिचारक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बनी ऊर्जा सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लोकहित में कारगर साबित हो रही है। सौर ऊर्जा का उपयोग कर बिजली उत्पादन करने की यह योजना ऊर्जा सशक्तिकरण की दिशा में मील पत्थर साबित हो रही है। राजनांदगांव शहर के बसंतपुर वार्ड नंबर 43 के निवासी रामलाल पालीवाल ने बताया कि उन्हें समाचार पत्रों के माध्यम से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने विद्युत विभाग एवं वेंडर से संपर्क किया एवं अपने घर में 3 किलोवाट का सोलर प्लांट लगवाया है।

उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लगभग 12 से 15 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन लगभग 10 यूनिट बिजली का उपयोग होता है। रामलाल पालीवाल ने बताया कि अब बिजली बिल से राहत मिली है और बिजली की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत उपयोगी है। इसका लाभ सभी को लेना चाहिए।

ऊर्जा के संरक्षण की दिशा में उपयोगी

राजनांदगावं शहर के बसंतपुर वार्ड नंबर 43 के निवासी

रामलाल पालीवाल रूफ टॉप सोलर प्लांट की लागत 1 लाख 75 हजार रूपए है। शासन की ओर से 78 हजार रूपए अनुदान राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि पहले बिजली के बिल से परेशान थे। 1200 से 1500 रूपए तक बिजली बिल आता था। वही गर्मियों में बढ़कर 2000 रूपए से अधिक बिजली का बिल देना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अब बिजली के बिल से मुक्ति मिल गई है और अतिरिक्त बिजली 446 यूनिट जमा है। रूफ टॉप सोलर प्लांट पर्यावरण मित्र होने के साथ ही ऊर्जा के संरक्षण की दिशा में उपयोगी है।

उपभोक्ता के घर का बिजली बिल शून्य

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत अपने घर की छत पर ही ऊर्जा का उत्पादन करने की यह पहल बिजली के बिल से मुक्ति दिलाने तथा ऊर्जा संरक्षण की दिशा में लाभदायक साबित हो रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से संयोजित होगा, जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है। केवल उपभोक्ता के घर का बिजली बिल शून्य हो जाता है, बल्कि ग्रिड में दी गई बिजली के एवज में अतिरिक्त आय भी प्राप्त होती है।

शासन द्वारा दोहरी सब्सिडी ऑनलाईन जारी की जाती है

शासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत 3 किलोवॉट तक राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए ओर केन्द्र सरकार द्वारा 78 हजार रूपए तक की सब्सिडी प्रति प्लांट दिए जाने का प्रावधान है। रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता अनुसार लागत राशि एवं सब्सिडी अलग-अलग है। उपभोक्ता द्वारा सोलर प्लांट के ब्रांड चयन कर सकते है। 3 किलोवाट से अधिक क्षमता का प्लांट लगाने पर अधिकतम 78 हजार रूपए तक सब्सिडी का प्रावधान है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट चउेनतलंहींतण्हवअण्पद या पीएम सूर्यघर मोबाईल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा। निर्धारित अनुबंध हस्ताक्षरित होने के पश्चात वेंडर द्वारा छत पर प्लांट की स्थापना एवं डिस्कॉम द्वारा नेट मीटर स्थापित किया जाता है। स्थापित प्लांट के सत्यापन पश्चात शासन द्वारा सब्सिडी ऑनलाईन जारी कर दी जाती है।

बैंक से ऋण लेने में कोई दिक्कत नहीं

श्री पालीवाल ने बताया कि बैंक से ऋण लेने में कोई दिक्कत नहीं हुई 1 लाख 75 हजार रूपए बैंक से तत्काल ऋण मिल गया। ईएमआईके माध्यम से आसान किस्तों में ऋण का भुगतान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत उपभोक्ता नोन लेने का इच्छुक हो तो प्रकरण पर 7 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण हेतु बैंकों को जनसमर्थन पोर्टल द्वारा ऑनलाईन प्रेषित किया जाता है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

12 वर्ष की नाबालिग से सामुहिक दुष्कर्म, तीन आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में एक 12 वर्ष की नाबालिग बालिका के साथ सामुहिक दुष्कर्म करनेका मामला सामने आया है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस राजपुर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है,वहीं पीड़िता को उपचार के लिए मेडिकल कालेज अंबिकापुर भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार 12 साल की नाबालिग बालिका दीपावली में घर में पूजा पाठ करने के बाद वह घर के बाहर पानी टंकी के पास पटाखा जला रही थी। इसी दौरान दो आरोपी उसके पास पहुंचे और उसे जबरदस्ती जंगल की तरफले गए। जहां तीसरा युवक उनका इंतजार कर रहा था और फिर तीनों ने बारी -बारी से नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया और फरार हो गये। वहीं डरी सहमी तथा घायल बालिका किसी तरह अपने घर पहुंची और अपने माता-पिता को इसके बारे में बताया। परिजन तत्काल अपनी बेटी को लेकर थाना पहुंचे और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस की टीम ने अपराध दर्ज करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों में से दो आरोपी इसी गांव के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा आरोपी दूसरे गांव का रहने वाला है।

कोर्ट परिसर में भृत्य ने लगाई फांसी

गरियाबंद। गरियाबंद कोर्ट परिसर में भृत्य ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार जिला कोर्ट में भृत्य की ड्यूटी लगाई गई थी। आज भी भृत्य ड्यूटी पर तैनात था। इसी बीच कोर्ट परिसर में अचानक भृत्य ने फांसी लगा ली। आसपास के लोगों ने भृत्य को फंदे पर लटका देखा तो हड़कंप मच गया। तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनाम कर फंदे से लाश को उतारा गया। पुलिस जांच में शव के पास से सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

संभागायुक्त महादेव कावरे ने की कार्रवाई

रायपुर। संभागायुक्त रायपुर महादेव कावरे के निर्देश पर आज पिट एनडीपीएस अधिनियम की धारा 11 के अंतर्गत गांजा तस्करी में संलिप्त 12 व्यक्तियों को जेल भेजने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन पर जांच उपरांत की गई है। गांजा तस्करी में संलिप्त पाए गए व्यक्तियों में - नूरी दीप थाना सिविल लाइंस रायपुर, धर्मेन्द्र टंडन उर्फ बबलू थाना मंदिर हसौद, पुनीत राम साहू थाना धरसीवां, भुवनेश्वरी धीवर थाना गुढ़ियारी, आरती छाबड़ा थाना डी.डी. नगर, मोहम्मद आज़म थाना टिकरापारा, अब्दुल आदिल थाना गंज, बालकृष्ण सिन्हा थाना कबीर नगर, शैलेंद्र मसीह, संजय बंजारे, मोतीलाल साहू तीनों थाना अभनपुर तथा आरती रजक थाना सिटी कोतवाली धमतरी शामिल हैं। संभागायुक्त रायपुर द्वारा अब तक कुल 38 व्यक्तियों के विरुद्ध पिट एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा चुकी है, जबकि कई प्रकरणों में जांच प्रक्रिया जारी है।

गोवंश को 50 से ज्यादा बार चाकू से गोदा ईलाज के दौरान मौत, युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में गोवर्धन पूजा के दिन गोवंश पर चाकू से 50 से ज्यादा वार कर घायल कर दिया गया था, जिसकी शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नशे के हालत में गोवंश पर हमला किया था। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी का नाम नंद कुमार भारती है।

वह संतोषी पारा कैम्प-2 की रहने वाला है। 23 अक्टूबर को उसने नशे में गोवंश पर चाकू से हमला किया था। उसे शासकीय पशु अस्पताल में ले जाया गया था। जहां उसका इलाज चल रहा था। लेकिन शनिवार को उसकी मौत हो गई।

दरअसल, भारत साहू ने थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि मोहल्ले में एक शख्स ने गोवंश को चाकू मारकर घायल कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने धारा 325 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। इस बीच संदेह के आधार पर कई लोगों से पूछताछ की गई।

पूछताछ में जुर्म स्वीकारा पूछताछ के दौरान नंद कुमार भारती की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने जुर्म स्वीकार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को 25 अक्टूबर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

वहीं इस घटना के बाद से इलाके में आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह की अमानवीय हरकत न करे। पशु प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने भी इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि मानवीयता के भी खिलाफ है।

मालिक के घर नौकर ने की चोरी, हुआ गिरफ्तार

भिलाई। प्रगति नगर, रिसाली निवासी मुकेश सराफके घर से उनके ही नौकर इंद्रजीत महतो ने अलमारी के लॉकर से 10 हजार रुपए नगद चुरा लिए। लॉकर में 45 हजार रुपए रखे थे। उसमें से 10 हजार रुपए नौकर ने निकाले और बाकी पैसा छोड़ दिया। इसके अलावा घर के अन्य सामान की चोरी करने के बाद उसे कबाड़ी में बेच देता था। मामला नेवई थाना क्षेत्र का है। शिकायतकर्ता मुकेश सराफ (55) थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 अक्टूबर की सुबह करीब 9:30 बजे उन्होंने अपने घर की अलमारी के लाकर में 45,000 रुपए रखे थे और काम से बाहर चले गए। दोपहर में जब उनकी पत्नी अरुणा सराफने अलमारी खोली तो देखा कि लाकर में सिर्फ35,000 रुपए ही बचे हैं। 10,000 रुपए नगद गायब थे। पत्नी ने पतिरन मुकेश सराफको कॉल कर जानकारी दी। जब घर में पूछताछ की गई तो किसी को भी पैसों के बारे में कुछ पता नहीं था। तब मुकेश ने शंका जताई कि चोरी उनके नौकर इंद्रजीत महतो ने की है। बताया जा रहा है कि आरोपी नौकर पहले भी घर में कई बार चोरी कर चुका है। लेकिन मालिक ने भूल समझ कर माफकर दिया था। चोरी के मामले की शिकायत थाने में नहीं की थी। लेकिन इस बार जब घर से 10 हजार रुपए चोरी होने की जानकारी मिली तो मालिक को शक सीधा नौकर इंद्रजीत पर गया। शिकायतकर्ता की शिकायत पर नेवई पुलिस ने आरोपी इंद्रजीत महतो (30) को तलब किया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने जुर्म स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि उसने अलमारी से 10,000 रुपए चोरी किए थे, जिनमें से 9,000 रुपए खर्च कर चुका है और 1,000 रुपए अब भी उसके पास हैं।

इतना ही नहीं उसने यह भी बताया कि उसने मालिक की दुकान से कुछ पाटर्स भी चोरी कर कबाड़ी के पास बेच दिए थे। पुलिस ने आरोपी के पास से बचा हुए 1,000 रुपए की रकम बरामद की और दुकान से चोरी किए गए कुछ पाटर्स की जानकारी जुटाई। आरोपी को 25 अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार संचालकों समेत 6 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले की थाना सुपेला चौकी स्मृति नगर पुलिस ने स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे संगठित देह व्यापार का खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने स्पॉ सेंटरों के दो संचालक तथा 4 ग्राहकों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के विरुद्ध अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बता दें कि दिनांक 24-10-25 को पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि स्मृतिनगर जुनवानी स्थित लोरेंजो स्पा एवं ली वेलनेस स्पा सेंटर के संचालकों द्वारा संगठित रूप से अवैध धन लाभ अर्जन हेतु स्पा में मसाज के नाम पर लड़कियों से देह व्यापार करवा रही है। सूचना पर तत्काल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस द्वारा उप पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में महिला थाना एवं स्मृतिनगर की टीम गठित कर पॉइंटर नियुक्त कर उसकी निशानदेही पर लोरेंज़ो स्पा एवं ली वेळनेस स्पा में दबिश दिया गया जो मौके पर ली वेलनेस स्पा के संचालक धनेश्वर सेन एवं लोरेंजो स्पा के मैनेजर पवन पांडे की उपस्थिति में स्पा सेन्टर को चेक किया गया दोनों स्पा में संगठित रूप से बाहर की महिलाओं को रखकर ग्राहको को बुलाकर देह व्यापार कराया जाना पाया गया मौके पर दोनों स्पा के मैनेजर एवं संचालक के कब्जे से देह व्यापार से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री,कण्डोम एवं ग्राहको के विवरण से संबंधित रजिस्टर एवं अन्य सामग्री जब्त किया गया तलाशी के दौरान लोरेंजो स्पा के रूम में ग्राहक गौरव कोठारी पिता किशोरी लाल कोठारी निवासी दुर्ग एवं रचित दास पिता प्रदीप कुमार दास को आपत्तिजनक हालत में पाया गया। इसी प्रकार ली वेलनेस स्पा के कमरे से ग्राहक संतोष कुमार पिता लक्ष्मण प्रसाद एवं अब्बास अली पिता हुकुम मियाँ को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया है जिनके पास से आपत्तिजनक सामग्री जब्त किया गया है। सभी 06 आरोपियों के विरूद्ध अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 की धारा 3,4,5,7 के तहत कार्यवाही किया जाकर न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया गया है।

मामले में पुलिस ने धनेश्वर सेन पिता कृष्ण सेन 33 वर्ष निवासी सुपेला,पवन पांडे पिता राज पांडेय 40 वर्ष निवासी भिलाई तीन, अब्बास अली पिता हुकुम मियाँ 43 वर्ष सुपेला, रचित दास पिता प्रदीप कुमार दास 30 वर्ष निवासी प्रगति नगर, संतोष कुमार पिता लक्ष्मण प्रसाद 38 वर्ष निवासी सुपेला तथा गौरव कोठरी पिता किशोरी लाल कोठारी 36 वर्ष निवासी नेहरू नगर को गिरफ्तार किया है।

टीम का सराहनीय योगदान

इस कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक भारती मरकाम, उप निरीक्षक गुरुविंदर सिंह संधु, सहायक उप निरीक्षक संगीता मिश्रा सहित चौकी स्मृतिनगर एवं महिला थाना की टीम का सराहनीय योगदान रहा। पुलिस का कहना है कि शहर में इस तरह के अवैध कारोबार पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री को अपशब्द बोलने वाला टीचर सस्पेंड, जिला शिक्षा अधिकारी ने लिया एक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले शिक्षक पर बड़ा प्रशासनिक एक्शन हुआ है। जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला मक्याठी में पदस्थ सहायक शिक्षक ईश्वरी प्रसाद टंडन को निलंबित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि उनके खिलाफ एफ्आईआर दर्ज करने की भी तैयारी चल रही है। जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव ने मीडिया को बताया कि यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत की है। जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी आदेश के अनुसार ईश्वरी प्रसाद टंडन ने अपने नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रधानमंत्री के प्रति अपशब्दों का प्रयोग करते हुए अभद्र टिप्पणी की थी। अधिकारी ने कहा कि शिक्षक का यह आचरण न केवल असंवेदनशील है, बल्कि एक सरकारी कर्मचारी के लिए अनुचित भी है। डीईओ ने बताया कि उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के नियम 03 का उल्लंघन है, जिसके तहत हर सरकारी कर्मचारी से अपेक्षा की जाती है कि वह शालीन, निष्पक्ष और मर्यादित व्यवहार रखे तथा ऐसा कोई कार्य न करे जिससे सरकार की छवि को क्षति पहुंचे। साथ ही, यह आचरण सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी सोशल मीडिया उपयोग संबंधी दिशा-निर्देशों का भी उल्लंघन है। जिसके चलते शिक्षक के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही की गई है। निलंबन आदेश में उल्लेख है कि ईश्वरी प्रसाद टंडन का मुख्यालय निलंबन अवधि में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कुसमी में रहेगा।

इस दौरान उन्हें नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। डीईओ मनीराम यादव ने कहा, सरकारी पद पर रहते हुए किसी भी व्यक्ति को ऐसी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाओं, संवैधानिक पदों या जनप्रतिनिधियों की गरिमा आहत हो। सभी कर्मचारी सोशल मीडिया पर अपनी अभिव्यक्ति में संवैधानिक मूल्यों और सेवा आचरण नियमों का पालन करें। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, विभाग ने शिक्षक द्वारा की गई पोस्ट के स्क्रीनशॉट और डिजिटल साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं। इन्हें विभागीय जांच का हिस्सा बनाया जाएगा।

भाजपा-कांग्रेस नेता समेत जुआ खेलते 14 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बड़े होटलों के साथ ही अब मैरिज हॉल भी जुआरियों का अड्डा बन गया है। शुक्रवार की रात पुलिस ने जीनस पैलेस में दबिश देकर भाजपा-कांग्रेस नेताओं समेत 14 रसूखदार जुआरियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 2 लाख 17 हजार रुपए बरामद किया गया है। जुआरियों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, पार्षद और कांग्रेस नेता शामिल हैं।

सिविल लाइन थाना प्रभारी सुम्मत साहू ने बताया कि शुक्रवार की देर रात महाराणा प्रताप चौक स्थित जीनत पैलेस में जुआ चलने की जानकारी मिली थी। जिस पर उन्होंने पुलिस की टीम के साथ मैरिज हॉल में दबिश दी। टीम ने पहली मंजिल के रूम नंबर एक की तलाशी ली।

जहां कमरे में तखतपुर के भाजपा नेता और जिला उपाध्यक्ष संतोष कौशिक, मंडल अध्यक्ष नैन साहू और कांग्रेस पार्षद मुन्ना श्रीवास समेत 14 लोगों को गिरफ्तार किया। जुआरियों के कब्जे से 2 लाख 17 हजार रुपए जब्त की गई है। जिसके बाद उन्हें थाने लाकर जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

शहर के मैरिज हॉल में जुआ खिलाया जा रहा था। भाजपा-कांग्रेस नेता समेत रसूखदार यहां कमरे में जुआ खेलते रंगे हाथों पकड़े गए। इसके बाद भी पुलिस ने मैरिज हॉल संचालक पर कोई कार्रवाई नहीं की। यहां तक पुलिस ने संचालक से पूछताछ नहीं की।

केवल, जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई कर औपचारिकता पूरी कर ली। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस के रवैए को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रही। पुलिस ने आनन-फानन में सभी 14 आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई कर उन्हें मुचलके पर छोड़ दिया। लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस आरोपियों की पहचान बताने से बचती रही। आमतौर पर जुआ रेड मारने के बाद पुलिस उनकी तस्वीरें जारी करती हैं। लेकिन इस मामले में न तो पुलिस ने प्रेस रिलीज जारी की और न ही जुआरियों की पहचान उजागर की। हालांकि, जब पुलिस की किरकिरी हुई, तब शनिवार की रात पकड़े गए जुआरियों की जानकारी सार्वजनिक की गई।

सोने का लॉकेट व नगदी चोरी करने वाला चोर पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। जिले की फ स्टरपुर-सेतगंगा पुलिस ने सोने के लॉकेट व नगदी रकम चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 8 नग सोने का लॉकेट बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 18.05.2025 को प्रार्थी फुलचंद गेंदले पिता हीराराम उम्र 26 वर्ष निवासी छुईहा, थाना फास्टरपुर-सेतगंगा, जिला मुंगेली ने थाना फास्टरपुर-सेतगंगा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 15.05.2025 के रात्रि करीब 11.00 बजे प्रार्थी अपने परिवार के साथ खाना खाकर घर के बाहर आंगन में सो गये थे। दिनांक 16.05.2025 के सुबह करीब 06.00 बजे प्रार्थी उठ कर घर अंदर जाकर देखा तो घर में रखे लकड़ी (प्लाई) के आलमारी का लॉकर खुला हुआ था, उसमें रखे सामान नहीं था तब प्रार्थी ने अपनी मां कमला बाई व पत्नि अंजू को बुलाकर घटना की जानकारी दिया और आलमारी में रखे सामान को चेक किया तो उसमें 8 नग सोने का लॉकेट वजन 11 मासा, सोने का टॉप 2 सेट वजन 2 मासा कीमती लगभग 50,000 रुपये एवं एक नग मोबाईल टेक्नो पावर 2 एयर कीमती 3,000 रू. तथा आलमारी में रखे नगद 10,000 रू. कुल जुमला कीमती 63,000 रूपये को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 20/2025 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर माल मुल्जिम की पता तलाश हेतु विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुंगेली सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मुंगेली मयंक तिवारी से मार्गदर्शन प्राप्त कर तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर दिनांक 23.10.2025 को संदेही गंगाराम दिवाकर निवासी छुईहा को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ कर बारिकी से पूछताछ किया गया। संदेही द्वारा बताया गया कि दिनांक 15-16.05.2025 के रात्रि करीब 12-1 बजे अपने पड़ोस के चाचा फुलचंद के घर अंदर घुसकर आलमारी के लॉकर तोड़कर उसमें रखे 8 नग सोने के लॉकेट एक धागा में गुथा हुआ एवं नगदी 8,000 रूपये व कमरा में रखे टेक्नो कंपनी के मोबाईल को चोरी करना स्वीकार किया।

सस्ती और गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं हमारी सरकार की प्राथमिकताः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सस्ती और गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वे आज राजधानी के नवा रायपुर स्थित एक निजी होटल में आयोजित क्रिटिकल केयर पर आधारित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'क्रिटिकॉन रायपुर-2025' में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि क्रिटिकॉन रायपुर-2025 चिकित्सा विज्ञान, विशेषकर क्रिटिकल केयर के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता का मंच है। यह देश और विदेश के विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं को एक साथ लाकर इस क्षेत्र में नई दिशाएं तय करने का अवसर देता है। क्रिटिकल केयर मेडिसिन जीवन रक्षा की रीढ़ है, जो गंभीर परिस्थितियों में मरीजों को नया जीवन देती है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में अस्पतालों, क्रिटिकल केयर इकाइयों और मेडिकल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर में मेडिसिटी और फार्मा हब का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही प्रदेश के अन्य शहरों में भी लगातार नए अस्पतालों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि ये कदम छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने रामकृष्ण केयर ग्रुप की पूरी टीम को इस राष्ट्रीय आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ देशभर में एक चिकित्सा उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभर रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि क्रिटिकल केयर जैसे अति महत्वपूर्ण विषय पर कॉन्फ्रेंस की मेजबानी रायपुर को मिलना गौरव की बात है। दो दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में विशेषज्ञों के विचार-विमर्श से निश्चित रूप से ऐसे उत्कृष्ट नवाचार सामने आएंगे, जो मानव स्वास्थ्य उपचार के लिए वरदान साबित होंगे। डॉ. सिंह ने कहा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी के उपयोग से इलाज की नई संभावनाएं खुल रही हैं। यही नई तकनीक नए भारत की नई कहानी लिख रही है। उन्होंने चिकित्सकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जब घर में कोई आपात स्थिति होती है और मरीज को सही समय पर हॉस्पिटल पहुँचाया जाता है, तब परिवार के भय को मिटाने में क्रिटिकल केयर डॉक्टरों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।

उन्होंने कहा कि आज समय की आवश्यकता है कि हर जिले और प्रत्येक बड़े अस्पताल में क्रिटिकल केयर यूनिट्स स्थापित हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। आयुष्मान योजना के माध्यम से 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क उपचार आम लोगों के लिए बड़ी राहत है।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने वाले देश-विदेश और प्रदेश के डॉक्टरों का मंच से सम्मान भी किया गया।

इस अवसर पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के संचालक डॉ. संदीप दवे, केयर ग्रुप के सीईओ वरुण खन्ना, तथा देश-विदेश और राज्य भर से आए 1300 से अधिक डॉक्टर उपस्थित थे।

आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय के लोकार्पण के लिए तैयारी जोरों पर

- 50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहा है संग्रहालय
- 14 गैलरियो में 650 मूर्तियां स्थापित है
- जंगल सत्याग्रह और झंडा सत्याग्रह के जीवंत दृश्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर, अटल नगर मे आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर बने भव्य एवं आकर्षक संग्रहालय के लोकार्पण के लिए तैयारी जोरो पर है। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने आज संग्रहालय पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों का आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गौरतलब है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 01 नवंबर को शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय का उदघाटन करेंगे।

शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय 50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जा रहा है। यहां 14 गैलरियों में अंग्रेजी हुकूमत काल में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की लगभग 650 मूर्तियां लगाई गई है। जनजातीय विद्रोहों के बारे में लोग आसानी से समझ सके इस लिहाज से डिजीटली व्यवस्था भी की गई है। मंत्री श्री नेताम ने निरीक्षण मौके पर कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना का परिणाम है कि जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक संग्रहालय-सह स्मारक लोगों के समर्पित हो रहा है और यह संग्रहालय नई पीढ़ियों को पुरखों की वीर गाथाओं को अवस्मरणीय बनाएगा। मंत्री श्री नेताम ने सभी आवश्यक तैयारियां व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संग्रहालय में डिजीटलीकरण कार्य, दिव्यांगजनों हेतु पृथक पार्किंग व्यवस्था, सॉवेनियर शॉप, गार्डनिंग, वॉटर सप्लाई की स्थिति का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उनके साथ आदिम जाति विकास विभाग प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, टीआरटीआई संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित निर्माण कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उत्तर बस्तर कांकेर के दूरस्थ ग्राम माहला के ग्रामीणों से किया वर्चुअल संवाद

ग्रामीणों को वन अधिकार पट्टा सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाएगी प्रदेश सरकार - विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शनिवार को उत्तर बस्तर कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा विकासखंड के सुदूर अंचल में बसे ग्राम पंचायत परतापुर के आश्रित ग्राम माहला में आयोजित जनचौपाल में ग्रामीणों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं की जानकारी ली और उसे निराकृत करने का भरोसा दिलाया।

उन्होंने ग्रामीणों से वर्चुअली संवाद करते हुए उनकी मूलभूत समस्या जैसे राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड इत्यादि की जानकारी लेते हुए शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं का हर संभव लाभ ग्रामीणों दिलाने की बात कही। ग्रामीणों की मांग पर उनके द्वारा ग्राम पंचायत परतापुर में डोम निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की भी घोषणा की गयी।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं की पहुंच अब दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में स्थित ग्रामों में भी प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित की जाएगी। माहला ग्रामवासी माओवादियों से पीड़ित होकर अपने गांव छोड़ चुके थे, वे अब पुन: अपने गांव में निवास कर रहे हैं। ऐसे सभी परिवारों के लिए शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि जो लोग माहला गांव में वर्षों से जिस भूमि पर काबिज हैं, उनका सर्वेक्षण कराकर उन्हें नियमानुसार वन अधिकार मान्यता पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों की आमदनी बढ़ाने के लिए तेन्दूपत्ता संग्रहण, महुआ और लाख उत्पादन में भागीदारी के लिए भी प्रोत्साहित किया।

ग्राम माहला में आयोजित जनचौपाल में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद भोजराज नाग ने कहा कि यह क्षेत्र कभी माओवाद प्रभावित रहा है, जिसके कारण विकास कार्यों की रफ्तार धीमी हो गई थी, परंतु अब यहां पुल-पुलिया और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के कैंप लगने से क्षेत्र मंब सुरक्षा और स्थिरता आई है। माहला गांव में निवास करने वाले लगभग 45 परिवार माओवादियों से पीड़ित होकर पलायन कर गए थे, वे अब वापस लौट आए हैं। इनमें से 31 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया गया है, जो निर्माणाधीन है। सांसद नाग ने परतापुर में आयोजित होने वाले दशहरा उत्सव के लिए मां दंतेश्वरी के रथ निर्माण हेतु सहयोग करने की घोषणा की, साथ ही विकास कार्यों के लिए सांसद निधि से 10 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा भी की।

कार्यकम में जनपद अध्यक्ष श्यामबती मंडावी ने भी ग्रामीणों को संबोधित करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील ग्रामीणों से की। शासन की मंशानुरूप कार्ययोजना बनाकर ग्रामीणों को योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सशक्ति के लिए सिलाई प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर मिलेंगे, साथ ही इच्छुक युवाओं को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

इस दौरान सांसद भोजराज नाग द्वारा 11 ग्रामीणों को राशन कार्ड एवं 5 नि:शक्तजनों को सहायक उपकरण भी प्रदाय किए गए। इस अवसर पर डीएफओ भानुप्रतापपुर पश्चिम वनमंडल हेमचंद पहारे, एसडीएम पखांजूर टी.आर. देवांगन, एसडीएम अंतागढ़ राहुल रजक, नगर पंचायत पखांजूर के उपाध्यक्ष शंकर सरकार, जिला पंचायत सदस्य दीपांकर राय, जनपद सदस्य सियाराम पुड़ो एवं भजन सहित ग्राम पंचायत परतापुर के सरपंच, उप सरपंच, गायता, ग्राम पटेल, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सुदूर संवेदनशील ग्राम कच्चापाल में ग्रामीणों के साथ किया संवाद

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने सुदूर वनांचल ग्राम कच्चापाल में बस्तर ओलंपिक 2025 का किया शुभारंभ

सीआरपीएफ कैम्प में जवानों से मुलाकात कर किया उत्साहवर्धन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने बस्तर संभाग के प्रवास पर नारायणपुर जिले के सुदूर संवेदनशील वनांचल ग्राम कच्चापाल पहुंचे। जहां उन्होंने सीआरपीएफके कैम्प का निरीक्षण किया। उन्होंने कैम्प में जवानों से मुलाकात कर जवानों द्वारा कठिन परिस्थितियों में भी नक्सल मोर्चे पर उनके द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कच्चापाल में जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया।

कच्चापाल के सरपंच रजमा नुरेटी ग्राम के जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत में कुल नौ गांव आते है, जिसकी जनसंख्या 1235 है। कच्चापाल तक नियद नेल्ला नार योजना से पक्की सड़क पहुंच चुकी है, जिससे जिला मुख्यालय तक आवागमन सुगम हो गया है। जिससे गांव में अब आर्थिक विकास तीव्र गति से हो रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि गांव में कैंप खुलने के बाद यहां वृहद स्तर पर परिवर्तन आया है। कई सालों तक जो क्षेत्र नक्सल आतंक से बिजली, पेयजल, सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित थे एवं युवाओं को हिंसा और भय का सामना करना पड़ता था अब यहां सुख, शांति और समृद्धि वापस आ रही है। लोगों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। ग्रामीण अब मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं और विकास अब गांवों तक पहुंच रहा है। शासन इसके लिए सही नियत से लगातार आदिवासी भाई बहनों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया की यदि कोई युवा हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होना चाहता है तो उन्हें प्रोत्साहित करें शासन ने ऐसे लोगों के लिए संवेदनशील पुनर्वास नीति बनाई है उसका लाभ लें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नियद नेल्ला नार, इलवद ग्राम जैसी योजनाएं भी संचालित की जा रहीं हैं, जिससे वनांचल वासियों के घर घर तक विकास पहुंच रहा है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम कच्चापाल में प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों के निर्माणाधी मकानों का भी निरीक्षण किया। जहां हितग्राही विदग्रही चंद्रिका वडडे एवं सोनाय बाई से उन्होंने योजनान्तर्गत राशि प्राप्ति और भवन निर्माण की जानकारी ली। जिसमें हितग्राहियों ने बताया कि उन्हें पीएम आवास के साथ स्वच्छ भारत मिशन से शौचालय निर्माण के लिए सहायता भी प्राप्त हुई है। निरीक्षण करते हुए होटल संचालिका यशोदा के दुकान पहुंचकर दुकान में सामग्रियों का जायजा लिया और होटल में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ यशोदा के होटल के व्यंजनों का भी स्वाद लिया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड का भी वितरण किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, एडीजी विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, एसपी रॉबिंसन गुड़िया, जनपद उपाध्यक्ष ओरछा मंगडूराम नूरेटी, कुंदला के सरपंच रामजी ध्रुव, सरपंच कच्चापाल रजमा नूरेटी, जनपद सदस्य जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित थे।

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने, बस्तर संभाग के जनजातीय बहुल एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं की खेल प्रतिभा को पहचानने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से 'बस्तर ओलंपिक 2025' का आयोजन किया जा रहा है। जिसका नारायणपुर के सुदूर वनांचल ग्राम कच्चापाल में शुभारंभ आज उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर ईरकभट्टी और कच्चापाल की ग्रामीण महिलाओं के मध्य रस्साकसी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें ईरकभट्टी के महिलाओं ने बाजी मारी। उपमुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर सभी का उत्साहवर्धन भी किया। उन्होंने खिलाड़ियों में उत्साह को देखते हुए सभी को बस्तर ओलंपिक 2025 की टीशर्ट का वितरण किया। यह प्रतियोगिता विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर तीन चरणों में आयोजित होगी। बस्तर ओलंपिक 2025 में बस्तर संभाग में 03 लाख 80 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने भाग ले रहे हैं, जिसमें नारायणपुर में 47 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हैं। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेल नहीं है यह बस्तर की समरसता, बंधुत्व, विश्वास और एकता का प्रतीक भी है। यह ओलंपिक बस्तर के युवाओं को अपनी नैसर्गिक प्रतिभा के प्रदर्शन का एक मंच प्रदान करने के साथ उनमें आत्मविश्वास जगाने और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का एक माध्यम भी है। हमें पूरा भरोसा है कि इस ओलंपिक के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी प्रदेश को मिलेंगे जो प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में बस्तर का नाम ऊंचा करेंगे।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, एडीजी विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, एसपी श्री रॉबिंसन गुड़िया, एसडीएम ओरछा डॉ. सुमित गर्ग, जनपद उपाध्यक्ष ओरछा मंगडूराम नूरेटी सरपंच कच्चापाल रजमा नूरेटी, जनपद सदस्य जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि बस्तर ओलंपिक का आयोजन 25 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक विकासखंड स्तर, जिला स्तर एवं संभाग पर किया जाएगा। जिसमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराटे, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी, हॉकी और वेटलिफ्टिंग जैसी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जहां जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष) और सीनियर वर्ग (17 वर्ष से अधिक) के साथ दिव्यांग खिलाड़ी और आत्मसमर्पित नक्सली भी सीधे संभाग स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950